हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

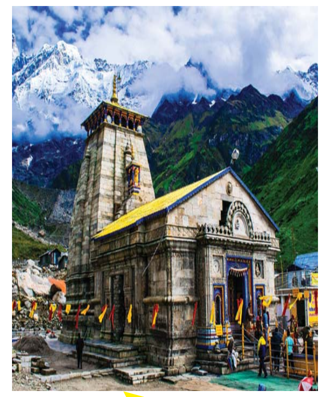

वर्ष:4 अंक:281 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, बुधवार, 15 अक्टूबर 2025

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 1456 अभ्यर्थियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

● 1347 सहायक अध्यापक और 109 समीक्षा एवं सहायक समीक्षा अधिकारियों को मिली नियुक्ति ● चार साल में 26 हजार से अधिक युवाओं को मिली सरकारी नौकरी

पथ प्रवाह, देहरादून। उत्तराखंड के युवाओं के लिए मंगलवार का दिन यादगार बन गया जब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दून मेडिकल कॉलेज, पटेलनगर में आयोजित भव्य समारोह में 1456 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इनमें लोक सेवा आयोग से चयनित 109 समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी तथा उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से चयनित 1347 सहायक अध्यापक (एल.टी.) शामिल हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले सभी अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह केवल नौकरी प्राप्त करने का क्षण नहीं, बल्कि राज्य के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक नई शुरुआत है। उन्होंने कहा कि नियुक्ति पाने वाले युवा अब उत्तराखंड के विकास यात्रा के सक्रिय सहभागी बनेंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि किसी भी राज्य की शासन व्यवस्था की रीढ़ उसका प्रशासनिक ढांचा होता है। सचिवालय को उन्होंने शासन व्यवस्था का ÷मस्तिष्क÷ बताते हुए कहा कि नीतियों का निर्माण, निर्णयों का क्रियान्वयन और विकास परियोजनाओं का धरातल पर उतारना– सब इसी प्रणाली से संभव होता है, जिसमें समीक्षा अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। शिक्षकों की भूमिका पर बल देते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि ÷जब एक बच्चे को अच्छी शिक्षा मिलती है, तो वह केवल अपने जीवन को नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य को भी संवारता है।÷ उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान नहीं देते, बल्कि बच्चों में जिम्मेदारी, नैतिकता और नागरिक चेतना का संचार करते हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों के इन्फ्रास्ट्रक्चर से लेकर डिजिटलीकरण और स्मार्ट क्लासरूम तक, शिक्षा के हर स्तर पर व्यापक सुधार किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि बीते चार वर्षों में 26 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। यह संख्या राज्य गठन के बाद पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में दी गई कुल नौकरियों से दो गुना से अधिक है। उन्होंने कहा कि आज राज्य में भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और मेरिट आधारित है। उन्होंने हाल ही में हरिद्वार परीक्षा केंद्र में नकल प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि ÷सरकार ने तुरंत एक्शन लिया, आरोपी को गिरफ्तार किया गया और एसआईटी गठित की गई। युवाओं की मांग पर हमने सीबीआई जांच की संस्तुति करते हुए परीक्षा निरस्त करने का निर्णय लिया।÷ मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्वयं युवाओं के बीच जाकर उन्हें आश्वस्त कर चुके हैं कि राज्य सरकार उनके हर न्यायोचित हित की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षा विभाग में नियुक्तियों का सिलसिला यहीं नहीं थमेगा। जल्द ही बीआरपी, सीआरपी, बेसिक अध्यापक और चतुर्थ श्रेणी पदों पर भी नियुक्तियाँ दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि अध्यापकों को दुर्गम क्षेत्रों में सेवाएँ देनी होंगी, जिससे राज्य के हर कोने में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचे। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, विधायक विनोद चमोली, सचिव रविनाथ रमन, दीपेन्द्र चौधरी और शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

हरिद्वार : नेशनल हाईवे पर दर्दनाक बस हादसा

तेज रफ्तार बस जेसीबी से टकराई, चालक के दोनों पैर कटे, 13 यात्री घायल

पथ प्रवाह, संवाददाता

हरिद्वार। दिल्ली-हरिद्वार नेशनल हाईवे पर देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ, जब तेज रफ्तार बस सड़क किनारे खड़ी जेसीबी मशीन से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, नेशनल हाईवे पर निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान एक जेसीबी मशीन को सड़क किनारे बिना किसी चेतावनी संकेत लगाए खड़ा छोड़ दिया गया था। अंधेरे और तेज रफ्तार के कारण चालक बस को नियंत्रित नहीं कर सका और बस सीधे जेसीबी से टकरा गई। हादसे में बस चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, उसके दोनों पैर कट गए। वहीं बस में सवार करीब 13 यात्री भी घायल हुए हैं, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

सूचना मिलते ही पुलिस, 108 एंबुलेंस सेवा और राहत दल मौके पर पहुंचे। मौके पर 108 सेवा की चार गाड़ियां और आठ सदस्यों की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाया। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। राहत कार्य में 108 टीम के सदस्य मुकुल कुमार, अनुज कुमार, शरद सैनी, कन्हैया कश्यप और अंकित कुमार सहित पुलिस व अन्य कर्मी मौजूद रहे।

स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य से जुड़ी एजेंसी पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है, क्योंकि सड़क किनारे भारी मशीन खड़ी करने के बावजूद कोई चेतावनी बोर्ड या लाइट संकेत नहीं लगाए गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मंगोलिया के नागरिकों को निशुल्क ई-वीजा देगा भारत : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को मंगोलिया के विकास में मजबूत और विश्वसनीय साझेदार बताते हुए दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने के मौके पर मंगोलिया के नागरिकों के लिए निशुल्क ई -वीजा की घोषणा की है। मोदी ने भारत की यात्रा पर आए मंगोलिया के राष्ट्रपति हुरेलसुख उखना के साथ यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में कहा कि भारत मंगोलिया के विकास में एक दृढ़ और विश्वसनीय साझेदार रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति हुरेलसुख की यात्रा ऐसे समय पर हो रही है जब भारत और मंगोलिया के बीच राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष और रणनीतिक भागीदारी के 10 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा

कि छह वर्ष के बाद मंगोलिया के राष्ट्रपति का भारत आना अपने आप में एक बहुत विशेष अवसर है। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर महत्वपूर्ण निर्णय की घोषणा करते हुए कहा कि भारत मंगोलिया के नागरिकों को निःशुल्क ई-वीजा देगा और हर वर्ष मंगोलिया से युवा कल्चरल एम्बेसडर्स की भारत यात्रा की भी व्यवस्था करेगा। श्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच दस वर्ष पहले हुई रणनीतिक साझेदारी का विस्तार हुआ है और यह प्रगाढ हुई है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग भी लगातार मजबूत हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा , ÷ भारत और मंगोलिया के संबंध केवल राजनयिक नहीं है यह हमारे बीच आत्मीय और आध्यात्मिक बंधन है। हमारे संबंधों की असली गहराई और व्यापकता हमारे लोगों के बीच संपर्क में दिखाई पड़ती है। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के बीच अध्यात्मिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि अगले वर्ष भगवान बुद्ध के दो महान शिष्यों – सारिपुत्र और मौद्गल्या-यन के पवित्र अवशेष भारत से मंगोलिया भेजे जाएंगे।

जैसलमेर जिले में थईयात गांव के पास हुए बस हादसे में 20 लोगों की मौत, 15 घायल

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर जिले में थईयात गांव के पास जोधपुर जा रही बस में मंगलवार अपराह्न अचानक आग लग जाने से 20 यात्रियों की मौत हो गई जबकि 15 झुलस गये। विधायक महंत प्रताप पूरी ने देर रात मीडिया को घटना की जानकारी देते हुए बताया कि बस में आग लगने से 19 लोगों की जलने से मौके पर मृत्यु हो गई जबकि एक गंभीर रुप से झुलसे एक व्यक्ति ने जोधपुर रैफर करने के बाद रास्ते में दम तोड़ दिया।

उन्होंने बताया कि मृतकों की शिनाख्त डीएनए जांच के माध्यम से की जायेगी और इसके लिए सैम्पल लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि घटना की जांच भी कराई जायेगी। उन्होंने बताया कि बस में आग शार्ट सर्किट के द्वारा लगी हैं। नई बस थी और संकट द्वार भी छोटा और पीछे की तरफ था इस कारण कई यात्री बाहर नहीं निकल पाये। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घटनास्थल का दौरा किया और हादसे को लेकर भावुक एवं दुखी थे। उन्होंने मुआवजे के सवाल पर कहा कि मुआवजा सहित सभी पर विचार किया जायेगा। उन्होंने बताया कि जैसलमेर से जिन घायलों को जोधपुर भेजा गया हैं उनकी हालत खतरे से बाहर हैं और उनके इलाज के लिए पूरी व्यवस्था कर ली गई हैं।

एक नजर

सिटी मजिस्ट्रेट ने कटहरा बाजार का किया निरीक्षण

पथ प्रवाह संवाददाता। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान ने कटहरा बाजार का निरीक्षण किया। बाजार में गंदगी पसरने की सूचनाओं का जिलाधिकारी ने गंभीरता से संज्ञान लेकर ये निर्देश दिये। जिलाधिकारी के निर्देश पर सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान ने कटहरा बाज़ार का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान जाली में पॉलीथीन एवं कचरा फंसा होने के कारण चौक नाली की सफाई तत्काल कराते हुए नाली खोलने के निर्देश नगर निगम को दिये। उन्होंने नालियों की तलीतोड़ सफाई कराने के निर्देश नगर निगम के अधिकारियों को दिये। उन्होंने जल संस्थान के अधिकारियों को सीवर की निकासी तथा सीवर लाइन की सफाई पर विशेष ध्यान देने के साथ ही सीवर लाइन के निकासी मुहाने पर सीवर लाइन की चौड़ाई बढ़ाने के निर्देश दिये। इस दौरान जल संस्थान, लोनिवि तथा नगर निगम आदि के अधिकारी उपस्थित थे।

पिछड़ा वर्ग कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष सुनील सैनी ने सीएम का जताया आभार

पथ प्रवाह हरिद्वार। हरिद्वार पिछड़ा वर्ग कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष सुनील सैनी ने कहा कि धामी सरकार का हर फैसला युवाओं के हितों को सर्वोपरि रखते हुए होता है। युवाओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए यूकेएसएससी की हाल ही में निरस्त हुई परीक्षा को अब पुनः 16 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। राज्य मंत्री जी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। कहा कि युवाओं की लगन और मेहनत के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। प्रदेश सरकार ने नकल विरोधी कानून लागू कर परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और दोषी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने की दिशा में सशक्त कदम उठाया है। धामी सरकार युवाओं की सरकार है, 25 हजार युवाओं को नौकरी देना यह दर्शाता है कि धामी सरकार युवाओं के भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। बेरोजगार युवाओं के हित में धामी सरकार ने कई बड़े फैसले लिए, जिसमें एक नकल विरोधी कानून का है। धामी सरकार ने नकल विरोधी कानून लागू कर भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता लाने का कार्य किया।

बिना हेलमेट दुपहिया वाहन चलाने३ वाले 100 चालकों का चालान

पथ प्रवाह हरिद्वार। यातायात के नियमों का पालन कराने के लिए संभागीय परिवहन की टीम सड़कों पर उतर गई है। मंगलवार को परिवहन विभाग की टीम ने सिड़कुल क्षेत्र में अभियान चलाकर वाहन चालकों को जागरूक किया। इस दौरान जहां यातायात के नियमों का पालन करने की नसीहत दी गई वहीं हेलमेट के बिना दुपहिया वाहन चलाने वालों के चालान भी किये गए। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी निखिल शर्मा ने अवगत कराया है कि परिवहन विभाग द्वारा आज हेलमेट के प्रति सिडकुल क्षेत्र में प्रवर्तन/जागरूकता अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि बिना हेलमेट के पाए गए 100 दुपहिया वाहनों का चालान किया गया। 15 से अधिक दुपहिया वाहन जिनके पास लाइसेंस एवं हेलमेट नहीं थे उन वाहनों को सीज किया गया। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि हेलमेट लगाने वाले लोगों को परिवहन टीम द्वारा फूल तथा चॉकलेट देकर प्रोत्साहित किया। इस अभियान में सहायक परिवहन अधिकारी नेहा झा, परिवहन कर अधिकारी अरुणा सैनी, सहायक परिवहन उप निरीक्षक अश्वनी कुमार, सहायक परिवहन निरीक्षक सुरवीर कण्डवाल शामिल रहे।

साथ बैठकर पी शराब, पैंसों के लेनदेन को लेकर हुई हाथापाई में ले ली दोस्त की जान

पथ प्रवाह हरिद्वार। चंद रुपयों के लेनदेन को लेकर हुई हाथापाई के बाद घर में घुसकर दोस्त की चाकू घोंपकर हत्या करने के आरोपी युवक को पुलिस ने घटना के 24 घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है। जानकारी के मुताबिक 12 अक्टूबर को सौरभ पुत्र राजाराम पर उसके दोस्त रोहित ने चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। हालत गंभीर देखते हुए सौरभ को उपचार के लिए एम्स ले जाया गया, किन्तु रास्ते में उसकी मौत हो गयी। इस संबंध में मृतक के चाचा सुशील कुमार निवासी बहादराबाद ने पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र कर संभावित स्थानों पर दबिश देकर आरोपित रोहित पुत्र मांगेराम निवासी बहादराबाद, जिला हरिद्वार को पथरी पावर हाउस के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किए गए चाकू को भी बरामद कर लिया। पूछताछ में आरोपित रोहित ने बताया गया कि 12 अक्टूबर की शाम वह अपने दोस्त मृतक सौरभ के साथ अपनी बाईक में बैठकर महाडी स्थित देशी शराब के ठेके पर गए, जहां शराब पीने के बाद दोनों वापस अम्बेडकरनगर मार्केट बहादराबाद आये, जहां पर उसके और मृतक सौरभ के बीच 1200ध् रुपये के लेनदेन को लेकर आपस में गाली-गलौज व हाथापाई हो गई थी।

हल्द्वानी शहर को सिटी बस सेवा की सौगात, मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने दिखाई हरी झंडी

पथ प्रवाह, हल्द्वानी

उत्तराखंड के सबसे व्यस्त शहरों में शुमार हल्द्वानी के लिए मंगलवार का दिन विकास की नई दिशा लेकर आया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हल्द्वानी सिटी बस सेवा का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस परिसर से हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया, जिससे शहरवासियों को अब सस्ती, सुलभ और सुरक्षित परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने इस अवसर पर कहा कि सिटी बस सेवा का शुभारंभ हल्द्वानी के शहरी परिवहन तंत्र को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि ÷यह सेवा शहर के आम नागरिकों, विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोगों के लिए बड़ी राहत साबित होगी। इससे यातायात का दबाव कम होगा, प्रदूषण घटेगा और ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि उत्तराखंड के प्रत्येक नगर में आधुनिक, पर्यावरण अनुकूल और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था विकसित की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि शहरी परिवहन सेवाएँ न केवल सुविधाजनक हों, बल्कि आम नागरिक की आर्थिक पहुंच के भीतर भी रहें।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि सिटी बस सेवा जैसी परियोजनाएँ न केवल आवागमन को सुगम बनाएंगी, बल्कि शहरों के सतत विकास की दिशा में भी एक बड़ा कदम साबित होंगी। हमारी प्राथमिकता है कि नागरिकों को बेहतर जीवन-स्तर प्रदान किया जाए और शहरों का विकास योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़े।

उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि हल्द्वानी सिटी बस सेवा को चरणबद्ध तरीके से शहर के प्रमुख मार्गों पर संचालित किया जाएगा। प्रारंभिक चरण में यह सेवा मुख्य बाजार, शिक्षण संस्थान, बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन और आवासीय क्षेत्रों को जोड़ते हुए चलाई जाएगी। धीरे-धीरे इसका विस्तार आसपास के क्षेत्रों तक किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक नागरिक इसका लाभ उठा सकें।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के साथ विधायक बंशीधर भगत (कालाढूंगी), विधायक राम सिंह कैड़ा (भीमताल), भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत, आईजी श्रीमती रिद्धिम अग्रवाल, मुख्य विकास अधिकारी अनामिका, सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

धामी सरकार-चली गरीब के द्वारः तीन गांवों में लगे बहुउद्देशीय शिविर

पथ प्रवाह हरिद्वार। समाज कल्याण योजनाएं अनुश्रवण समिति के उपाध्यक्ष देशराज कर्णवाल के प्रयास से ग्रामीण क्षेत्रों में लगाए जा रहे बहुउद्देशीय शिविर का लाभ जनता उठा रही है। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर समाज कल्याण बहुउद्देशीय शिविर का मंगलवार को ब्लॉक भगवानपुर के 3 गांवों में आयोजन किया गया। शिविर के दौरान हरचन्दपुर माजरा बेहेडेकी सैदाबाद) में 15, बेहेड़ेकी सैदाबाद में 22 और सुनहेटी आल्हापुर में 8 जनसमस्याएं आयी।

शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में शोभाराम प्रजापति उपाध्यक्ष माटी कला बोर्ड व अनीश गौड प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा उत्तराखंड द्वारा शिविरों का सुचारू रूप से उद्घाटन कर प्रतिभाग किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों की जनसमस्याओं को सुनकर उनका त्वरित समाधान करना तथा समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना था। शिविर में क्षेत्रीय नागरिकों ने सैकड़ो सैकड़ो की संख्या में बढ़-चढ़कर भाग लिया और उत्साहपूर्वक

अपनी समस्याएं संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कीं। समस्याओं का समाधान शिविर स्थल पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा किया गया, जबकि कुछ जिला स्तर की समस्याएं थीं जिन्हें समाधान हेतु जिलाधिकारी को प्रेषित किया जाएगा।

इस अवसर पर शोभाराम प्रजापति व अनीश गौड ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। इसके लिए विभाग द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे। शिविर में सभी संबंधित रेखीय विभागों के अधिकारीगण व कर्मचारीगण, ग्राम प्रधान, पंचायत सदस्यगण एवं सैकड़ो की संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

हंस फाउंडेशन ने वार्ड 37 में लगाया नेत्र चिकित्सा शिविर

पथ प्रवाह हरिद्वार। नगर निगम की ओर से वार्ड 37 कोटरवान में नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। हंस फाउंडेशन के सहयोग से पार्षद नौमान अंसारी के आवास पर आयोजित किए गए शिविर में लगभग 250 लोगों की नेत्र जांच की गई। पार्षद नौमान अंसारी ने बताया कि कैम्प में जांच के उपरांत मोतियाबिंद से ग्रसित लोगों को ऑपरेशन के लिए चुना गया। जबकि अन्य लोगों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गयी। पात्र लोगों को चश्में भी निःशुल्क वितरित किए गए। पार्षद नौमान अंसारी ने कहा कि नेत्र शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। प्रदूषण व अन्य कारणों से आजकल नेत्र रोग बढ़ रहे हैं। इसलिए समय-समय पर नेत्रों की जांच अवश्य करानी चाहिए। जिससे समय रहते उपचार किया जा सके। उन्होंने हंस फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया। कहा कि आगे भी इस प्रकार के चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के आयोजन में डा. मोहित चौहान एवं कॉर्डिनेटर प्रमोद रौतियाल ने विशेष योगदान किया।

मदरसे में महिला टीचर्स के साथ मारपीट, मौलवी समेत सात पर केस दर्ज

पथ प्रवाह हरिद्वार। जनपद हरिद्वार के पिरान कलियर थाना क्षेत्र में एक मदरसे में 3 महिला टीचर्स के साथ मारपीट करने और छेड़छाड़ किये जाने का मामला सामने आया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मदरसे के मौलवी समेत सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार पिरान कलियर थाना क्षेत्र निवासी एक शिक्षिका ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि पिछले कई वर्षों से वह बच्चों को मदरसे में पढ़ा रही हैं। 12 अक्टूबर को मदरसे में पढ़ाई के दौरान एक मौलवी ने उन्हें अपने कमरे में बुलाया और जबरन छेड़छाड़ की। विरोध करने पर मौलवी ने मारपीट कर घायल कर दिया। शिक्षिका की दो महिला सहकर्मी जब उसे बचाने के लिए पहुंची तब मौलवी ने अपने 7 साथियों को बुलाकर तीनों के साथ मारपीट की और पीड़िताओं के कपड़े फाड़ने की कोशिश की। आरोपियों ने पीड़िताओं को जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने बताया कि मौलवी पहले से उन पर गलत नजर रखता था, जिसकी शिकायत उन्होंने मदरसा प्रबंधक से की थी। लेकिन उस समय कोई कार्रवाई नहीं हुई। थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार का कहना है कि तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बिना लाइसेंस नहीं लगेंगी बाजार में पटाखों की दुकानें

नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान ने की व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ बैठक

पथ प्रवाह, हरिद्वार। दीपावली त्योहार को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से मनाए जाने के लिए सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान ने व्यापार संघ के पदाधिकारियों और विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान पटाखों की दुकानों को लेकर जिला प्रशासन द्वारा जारी किए जाने वाले अस्थाई लाइसेंस को भी लेकर भी स्थिति स्पष्ट की गई।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान की अध्यक्षता में यह बैठक नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय कक्ष में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ की गई। बैठक में नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान ने व्यापार मंडल के पदाधिकारियों से दीपावली के अवसर पर लगाई जाने वाली अस्थाई पटाखों की दुकानों के लिए सभी को लाइसेंस लेने के लिए नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय एवं संबंधित क्षेत्र के उपजिलाधिकारी कार्यालय में लाइसेंस हेतु आवेदन करने के लिए कहा। अधिकारियों से

कहा कि इसके लिए सभी व्यापारी बंधुओं को जानकारी उपलब्ध कराई जाए ताकि जो भी व्यापारी पटाखों की दुकाने लगाना चाहते है उनके पास प्रशासन द्वारा जारी किया गया अस्थाई लाइसेंस अनिवार्य रूप से हो। उन्होंने कहा कि बिना लाइसेंस के पटाखों की दुकान लगाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि पटाखों की दुकानों खुले स्थानों एवं प्रशासन द्वारा पूर्व ने चिन्हित किए गए स्थानों पर ही लगायी जाए।

उन्होंने कहा कि पटाखों की दुकानों पर किसी भी तरह से ज्वलंत प्रदार्थ न रखा जाए तथा किसी भी प्रकार से अप्रिय घटना न होने पाए। कहा कि संकरी गलियों एवं तंग स्थानों पर पटाखों की दुकानों न लगाई जाए। उन्होंने पटाखों की दुकानों को निर्धारित किए गए मानकों के अनुसार ही संचालित करने की निर्देश दिए। उन्होंने सभी व्यापारी से दुकानों के आगे फुटपाथ एवं नालियों के ऊपर किसी भी तरह से कोई अतिक्रमण न करने के लिए कहा। सफाई का विशेष ध्यान रखने और सभी व्यापारी को डस्टबिन रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने नगर निगम को भी निर्देश दिए है कि नगर क्षेत्र को साफ सुथरा रखने के लिए सभी क्षेत्रों में रात्रि के समय बेहतर साफ सफाई व्यवस्था की जाए। साथ ही नगर क्षेत्रंगत जो भी स्ट्रीट लाइट खराब है उन्हें तत्परता से बदलने की निर्देश दिए। उन्होंने फायर सर्विस एवं जल संस्थान को शहर में संचालित हो रहे एवं बंद पड़े हाईड्रेंट का संयुक्त निरीक्षण करने के निर्देश दिए। जो हाईड्रेंट कार्य नहीं कर रहे है उनको दुरस्त करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में उन्होंने विद्युत विभाग को भी निर्देश दिए है कि दीपावली के पर्व पर किसी भी तरह से विद्युत आपूर्ति बाधित न हो तथा किसी भी तरह से विद्युत लाइन में फॉल्ट आने पर तत्परता से मरम्मत कार्य करते हुए विद्युत आपूर्ति सुचारू की जाए। बैठक में सीओ सिटी शिशुपाल सिंह नेगी, मुख्य अग्निशमन अधिकारी वंश बहादुर यादव, अधिशासी अभियंता विद्युत दीपक सैनी, एसएनए नगर निगम ऋषभ उनियाल, व्यापार मंडल के पदाधिकारी संजीव नैय्यर, प्रदीप कालरा, राम अरोड़ा, संदीप शर्मा, राजेश पूरी, विकी तनेजा, अमन शर्मा, सहित व्यापार मंडल के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकरी मौजूद रहे।

बच्चा चोर गिरोह का खुलासा, तीन माह के बच्चे का 4 लाख 90 हजार में किया सौदा

पथ प्रवाह हरिद्वार। हरिद्वार पुलिस ने बच्चा चोर गिरोह का खुलासा करते हुए चुराए गए बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है। बच्चा चोरी की इस घटना का 72 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए पुलिस ने बच्चा चोर गिरोह में शामिल लोगों को गिरफ्तार किया है। मां के पास सो रही तीन माह की बच्ची को चुराकर उसका सौदा 4 लाख 90 हजार में सौदा किया था। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक लाख नकद बरामद किये जबकि ऑनलाइन भेजी गई 1 लाख की रकम को खाते में फ्रीज कराया है।

थाना कलियर पुलिस के मुताबिक 11 अक्टूबर 2025 को अमरोहा ज्योतिबा फुले नगर निवासी जहीर अंसारी ने थाना कलियर आकर पुलिस से मदद की गुहार लगाते हुए बताया कि वह अपनी पत्नी और तीन माह के बेटे के साथ जियारत के लिए कलियर आया था। दिनांक 10/11 अक्टूबर की रात बिताने के लिए पति-पत्नी और बच्चा एक दुकान के पास रुक गए। देर रात दो महिलायें उनके पास आई और कुछ लोगों द्वारा छेड़छाड़ की शिकायत करते हुए वहां रुक गई। इस दौरान

दोनों अंजान महिलाओं ने दंपत्ति से जान पहचान बढ़ाई और घुलना-मिलना शुरू कर दिया। कुछ समय बाद अंजान महिलाओं में से एक शिकायतकर्ता को चाय पिलाने के बहाने अपने साथ ले गई। इस दौरान दूसरी महिला सो रही उसकी पत्नी की गोद से बच्चा चुराकर रफूचक्कर हो गई।

थानाध्यक्ष कलियर द्वारा पूरे प्रकरण की जानकारी दिए जाने पर एसएसपी ने तुरंत मुकदमा दर्ज करने के आदेश देते हुए कलियर व आसपास के थानों की संयुक्त टीमें गठित कर बच्चे की जल्द तलाश के निर्देश जारी किए गए तथा टेक्निकल सपोर्ट के लिए सीआईयू रुड़की प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जुटाए गए मैनुअल एवं डिजिटल साक्ष्यों का पीछा करते हुए पुलिस टीम मेरठ पंहुची तो उनके हाथ इस पूरी वारदात की एक अहम कड़ी लगी जिसका नाम था आस मोहम्मद लंगड़ा। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने पहले आस मौहम्मद की पत्नी शहनाज (अज्ञात महिलाओं में से एक) और फिर सलमा (दूसरी अज्ञात महिला) तक पहुंची और उनसे पूरे घटनाक्रम की विस्तृत पूछताछ की। पूछताछ में बच्चा चोरी के बाद उसके बेचने की पूरी चेन की परत खुली और पुलिस टीम ने अन्य संदिग्ध महिला अंचन, नेहा शर्मा और बच्चे के अन्तिम खरीददार विशाल गुप्ता उर्फ अच्ची को दबोचा।

पुलिस की पकड़ में आए विशाल गुप्ता की शादी को 10 साल होने के बाद भी कोई संतान नही थी जिस कारण वह अपना और अपनी पत्नी का प्रेम अस्पताल मेरठ में इलाज करा रहा था। जहां नेहा शर्मा बतौर पैसेन्ट कोर्डिनेटर काम कर रही थी। इलाज के दौरान विशाल गुप्ता ने नेहा शर्मा को बताया कि अगर कोई गरीब अपने बच्चों की परवरिश नहीं कर पा रहे हैं तो वह बच्चे का लालन-पालन करने को तैयार हैं। ये बात जानकर नेहा शर्मा एवं अन्य ने कलियर जैसे भीड़भाड वाले इलाके से बच्चा चोरी का प्लान बनाया। योजना के मुताबिक बच्चा चोरी करने में सफल होने पर शहनाज व सलमा (अज्ञात महिलाओं) को आस मोहम्मद लंगड़ा बुक की गई स्विफ्ट डिजायर के जरिए बच्चे सहित कलियर से लेकर फरार हो गया था। इन्होंने बच्चा तीन लाख में अंचन को और अंचन द्वारा तीन लाख नब्बे हजार में नेहा शर्मा को बच्चा बेचा गया। अन्त में नेहा शर्मा ने भी 1 लाख रुपये का प्रॉफिट कमाते हुए बच्चे को चार लाख नब्बे हजार रुपये में विशाल गुप्ता को बेच दिया गया।

सघन पूछताछ से उपरोक्त नाबालिक शिशु को विशाल गुप्ता के घर से सकुशल बरामद करते हुए तथा सभी आरोपियों को जुर्म धारा से अवगत करते हुए हिरासत पुलिस लिया गया। मामला 3 माह के नादान शिशु का अतिसंवेदनशील होने के कारण स्वयं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा मॉनिटरिंग की जा रही थी इसी क्रम में उच्च अधिकारी गणों के निर्देशन में उक्त बच्चे को महज 55 घंटे के अंदर मुखबिर तंत्र का सहारा लेकर इस ब्लाइंड कैश की गुत्थी सुलझा कर नादान शिशु को माता-पिता को सोंपा गया।

दो शातिर मोबाइल स्नैचर पकड़े, लग्जरी लाइफ जीने के लिए ले रहे थे शॉर्टकट

पथ प्रवाह हरिद्वार। हरिद्वार पुलिस ने दो शातिर मोबाइल चोर गिरफ्तार किये हैं। इनके पास से घटना में इस्तेमाल की जा रही स्कूटी, दो तमंचे, जिंदा कारतूस और छीने गए 11 मोबाइल बरामद हुए हैं। दोनों अभियुक्तों को पुलिस ने उस वक्त गिरफ्तार किया जब ये दोनों किसी नई घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे थे। पूछताछ में पता चला कि लग्जरी लाइफ जीने के लिए यह गलत रास्ता चुना। पुलिस के मुताबिक 16/09/2025 को यश चौधरी निवासी ग्राम अकरवास कानैनी जिला बुलंदशहर एवं हर्षिता बिष्ट पुत्री देवेंद्र सिंह बिष्ट निवासी गली नंबर 22 कृष्णा नगर रुड़की के द्वारा स्कूटी सवार दो व्यक्ति द्वारा अलग-अलग स्थानों पर झपट्टा मारी कर दो मोबाइल छीन कर ले जाने के संबंध में कोतवाली रुड़की पर क्रमशः मुकदमा अपराध संख्या 338/25 व 339/25 धारा 304 बीएन एस बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी हरिद्वार द्वारा घटना के अनावरण व आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित क्रम में कोतवाली रुड़की पुलिस द्वारा गहन पतारसी सुरागरसी करते हुए मुखबिर की सूचना पर 02 अभियुक्तों को नहर पटरी से ए टू जेड जाने वाले रास्ते से घटना में प्रयुक्त स्कूटी, 02 तमंचे, 02 जिन्दा कारतूस, 11 मोबाइल व नगदी के साथ दबोचा गया। बरामदगी के आधार पर दोनों आरोपियों के विरुद्ध आर्म एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। दोनों आरोपी लग्जरी लाइफ जीने के शौकीन हैं, अपने महंगे शौक पूरे करने के लिए मोबाइल स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देते थे। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम सलमान पुत्री इकरार निवासी भारत नगर निकट त्यागी स्कूल थाना कोतवाली रुड़की और समीर पुत्र मुन्ना निवासी गुलाब नगर जमा परचून वाले की दुकान के पास कोतवाली गंगनहर, जनपद हरिद्वार हैं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सचिव सिमरनजीत कौर ने बालिकाओं को दिया सुरक्षा का मंत्र

पथ प्रवाह, हरिद्वार

उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के निर्देशानुसार तथा जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरिद्वार के आदेशानुसार अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष में शिवडेल पब्लिक कॉलेज, जगजीतपुर, हरिद्वार में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर के दौरान विद्यालय की छात्राओं और छात्रों द्वारा कला प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने बालिका सशक्तिकरण, समान अवसर और बाल अधिकारों से संबंधित विषयों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरिद्वार की सचिव श्रीमती सिमरनजीत कौर ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज बालिकाओं के विरुद्ध अपराधों में तेजी से वृद्धि होना समाज के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि हम एक ओर नवरात्रों के अवसर पर बालिकाओं का पूजन करते हैं, वहीं दूसरी ओर समाचारों में बालिकाओं के साथ हो रहे अपराध अत्यंत दुःखद हैं। समाज को यह समझना होगा कि बालिकाओं की सुरक्षा और सम्मान ही सच्चे अर्थों में नारी पूजन है। उन्होंने इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग पर भी बल देते हुए कहा कि

आज हम डिजिटल युग में जी रहे हैं, जहाँ प्रत्येक ऑनलाइन गतिविधि निगरानी के दायरे में होती है। इसलिए हमें अनैतिक या असंवैधानिक वेब गतिविधियों से बचना चाहिए तथा किसी भी संदिग्ध संदेश या लिंक का उत्तर सोच-समझकर देना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान सचिव द्वारा प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - कु. अनुष्का नेगी, द्वितीय स्थान - वंस कुमार, तृतीय स्थान - शिवानी रावत को मिला। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - कु. नंदनी चौहान, द्वितीय स्थान - अम्बिका, तृतीय स्थान - सृष्टि अरोड़ा रही। इसके उपरांत डॉ. अरविंद कुमार श्रीवास्तव, डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसिल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरिद्वार ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली निःशुल्क विधिक सेवाओं और राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली की हेल्पलाइन संख्या 15100 की जानकारी दी।

विद्यालय के चेयरमैन स्वामी शरद पुरी जी ने अपने संबोधन में कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरिद्वार समाज को कानूनी रूप से शिक्षित करने का सराहनीय कार्य कर रहा है। यदि समाज कानूनी रूप से जागरूक हो जाए तो अपराधों में अवश्य कमी आएगी और देश एक विकसित राष्ट्र की दिशा में अग्रसर होगा।

उन्होंने विद्यालय में शिविर आयोजित करने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य अरविंद बंसल, कोऑर्डिनेटर विपिन मलिक तथा समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

संपादकीय

बीआईएस प्रमाणित वस्तुएँ और आत्मनिर्भर भारत

गुणवत्ता और मानक केवल तकनीकी शब्द नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण का आधार हैं। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा देहरादून में आयोजित विश्व मानक दिवस 2025 ने यही संदेश दिया कि देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी उत्पादों और प्रमाणित वस्तुओं का उपयोग अब सिर्फ विकल्प नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य बन चुका है।

राज्यपाल ने कहा कि गुणवत्ता जीवन का आधार है। जब हर व्यक्ति अपनी रोजमर्रा की आवश्यकताओं में मानक और प्रमाणित उत्पाद अपनाता है, तभी देश सतत विकास के लक्ष्यों की दिशा में तेजी से बढ़ सकता है। यह केवल उद्योग और व्यापार की मजबूती नहीं है, बल्कि समाज में विश्वास, पारदर्शिता और स्थिरता का निर्माण भी है।

स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि स्वनियंत्रण, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास ही राष्ट्र की प्रगति की असली कुंजी हैं। बीआईएस मानक न केवल उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हैं, बल्कि यह हर नागरिक के जीवन स्तर और सामाजिक जिम्मेदारी को भी बढ़ावा देते हैं। यदि देश के नागरिक मानक के प्रति सचेत होंगे, तो हर क्षेत्र में सफलता और समृद्धि सुनिश्चित होगी।

कल्पना सैनी और नरेश बंसल का जोर युवाओं पर है—और सही भी है। भविष्य के निर्माता वही हैं जो आज सीखते हैं, और जब शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता और मानक को प्राथमिकता दी जाएगी, तो युवा पीढ़ी राष्ट्रीय विकास और आत्मनिर्भरता की नींव मजबूत करेगी।

बीआईएस की Quality Walk, प्रदर्शनी और स्टार्टअप नवाचार दर्शाते हैं कि गुणवत्ता केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी है। देश को आत्मनिर्भर बनाने का सपना तभी साकार होगा जब प्रत्येक नागरिक सावधानीपूर्वक चयन और प्रमाणित उत्पादों के उपयोग को अपनी आदत बना ले। आज स्वदेशी, प्रमाणित और गुणवत्तापूर्ण विकल्पों को अपनाना राजनीतिक या आर्थिक विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। और यही विचार, यही चेतना, यही क्रांति हमें आत्मनिर्भर भारत की ओर ले जाएगी।

बिहार विधानसभा चुनाव में अपने ही गढ़ में अपनों को चुनौती

कांतिलाल मांडोत

बिहार के विधानसभा चुनाव का पारा चढ़ने लगा है।बिहार में 365 दिन राजनीति होती रहती है।2020 में राजद ने बिहार में 75 सीटे प्राप्त कर सरकार तो नही बना पाए,लेकिन विपक्ष को एक बार सोचने के लिए मजबूर कर दिया।इन दिनों भाजपा को एक तरफा सफलता मिलने की अटकलें लगाई जा रही है।बिहार विधानसभा चुनाव से देश मे हलचल बढ़ गई है।हर एक के मुह पर एक ही बात है,कौन जीतेगा चुनाव?बिहार में माहौल पूरी तरह से बदला हुआ नजर आ रहा है।क्योंकि कांग्रेस भी राजद के सहयोग से हाथ को मजबूत करने में लगी है।लालू को हाशिये में डाले जा चुके है।बिहार में तारीख का ऐलान होने के बाद लालू भी मीडिया के समक्ष अपने बयान में नीतीश पर तंज कसते हुए कह रहे है कि छह और ग्यारह,एनडीए नौ दो ग्यारह मतलब डबल इंजन सरकार की विदाई।राजद में ताकतवर नेता की जरूरत है।लालू ने बिहार में 15 साल तक शासन किया लेकिन जनता इस पर क्या सोचती है,यह जनता की सोच का आधार है।वैसे भी लालू का राजनीति में अब कोई औचित्य नही है।क्योंकि उनकी तबियत खराब रहती है।तेजस्वी यादव और तेजप्रताप की दूरिया से घर मे दीवार खड़ी हो चुकी है।फिलहाल, लालू तेजस्वी के लिए प्रचार के लिए सड़क पर भले नही उतरते नजर आए, लेकिन बिहार चुनाव में तेजस्वी के लिए वोट मांगना और तेजस्वी को जीत का आशीर्वाद देना लालू की नैतिक जवाबदेही है।भले वे तेजप्रताप के लिए कुछ नही कहे,पर तेजस्वी को राजनीति के गुर सिखाने राजनिति के मंच पर जरूर खड़े नजर आएंगे।समाजवादी ड्रामा की तरह ही तेजस्वी और तेजप्रताप का विद्रोह कई महीनों तक यू ही चलता रहा।लालू के मार्गदर्शन में तैयार किये नेता तेजस्वी के लिए कितने तैयार है,यह परखा जाना बाकी है।भाजपा की तैयारी से इतना तो साफ है कि लड़ाई इस बार बिहार में बहुत तेज होगी।

कांग्रेस और राजद के गठबंधन में बिहार में दोनो दल रोड शो में नजर आ सकते है।लेकिन बिहार में जो ताकत गठबंधन की मिलनी चाहिए थी,वह नही मिल पा रही है।उधर,बिहार चुनाव की घोषणा होते ही भारतीय जनता पार्टी ने नया 25 से 30,हमारे दो भाई नरेंद्र और नीतीश।यानी 2025 से 2030 तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही होंगे।भाजपा ने सोशल मीडिया में कुछ ऐसे ही नारे लिखे। जैसे,बिहार में जारी रहेगी विकास की तेज रफ्तार,14 नवम्बर को फिर एक बार एनडीए सरकार।जनता का विश्वास,फिर से एनडीए की सरकार।बस 38 दिन का इंतजार,थमेगी नही विकास की रफ्तार।बिहार की जनता का मूड,मन मिजाज सिर्फ एनडीए के साथ।और 160 से अधिक सीटो पर जीतकर14 नम्बर को आ रही प्रचंड बहुमत की सरकार।

बिहार में तेजस्वी की साख अपने पिता लालू की सरकार की राजनीतिक कुशलता से आंकी जाएगी।लालू की दोहरी पटरी को जनता आज दिन नही भूल पाई है।कथनी और करनी में भेदरेखा के चलते जनता का भरोसा टिक नही पाता है।उनके पिता लालू ने अपने विरासत में लड़कों को क्या दिया है।उस जड़ो के आधार से वर्तमान राजनीति सुनिश्चित की जाती है।बिहार विधानसभा में कई नेताओं को कसौटी पर कसा जाएगा।वैसे तो कांग्रेस की प्रतिष्ठा इस बार दांव पर है क्योंकि कांग्रेस के बड़े नेता राहुल गांधी ने तेजस्वी के साथ राजनीतिक दोस्ती का हाथ बढाकर अपने ही पैरो पर कुलाड़ी मारी है।यूपी में समाजवादी के साथ गठबंधन में कांग्रेस और समाजवादी दोनो की लुटिया डूब गई थी।फिर महागठबंधन में ये दल शामिल हो गए।लेकिन इस बार इन दलों की सफलता के लिए मशक्कत करनी पड़ेगी।क्योकि एनडीए की गठबंधन सरकार ने दोनों हाथों से जनता को मदद की है।राजद मुसलमानों को अपने पाले में लाने की कोई कसर नही छोड़ेगी।उनका प्रयास है कि भाजपा और नीतीश को हराने के दमखम राजद में ही है।हाल के दिनों में मुस्लिम उलेमाओं का खुलकर रजद के पक्ष में आना भी कांग्रेस के लिए चुनौती बन सकती है।वैसे भी तुष्टिकरण की राजनिति करने वाली कांग्रेस ने मुसलमानों के साथ अन्याय ही किया है।उनको लालच देकर वोट हासिल करने वाली कांग्रेस का असली चेहरा भाजपा की सरकार बनने के बाद पता चला।क्योकि कांग्रेस के शासनकाल में किसी को बोलने नही दिया जाता था।अब कांग्रेस बोल रही है तो देश मे उसकी कोई भी सुन नही रहा है।समय बीत चुका है।मुसलमानों को सहेजना कांग्रेस, राजद के लिए और कठिन हो गया है।क्योंकि एनडीए के शासनकाल में मुस्लिम आवाम सुरक्षित और सुखी है।राजद ओबिसी और बीईसी पर नजर गाढ़े हुए है।भाजपा अतिपिछड़ों और अति दलितो को साथ लेकर मोदी और नीतीश के नेतृत्व में मैदान में है।प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के लिए और सरकार की मदद ले रही जनता के लिए नीतीश के सिवा दूसरा विकल्प नजर नही आ रहा है।इन परिस्थितियों में बिहार में चुनाव त्रिकोणात्मक होगा।केंद्र की सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम छेड़ रखी है।सबसे अच्छी बात तो यह है कि नीतीश कुमार की छवि साफ और निखरी हुई है।बिहार में इतने वर्षों में कोई भ्रष्टाचार सामने नही आया है।विकास और साफ छवि वाली सरकार के मद्देनजर जनता फिर से नीतीश की झोली भर दे तो कोई अतिश्योक्ति नही होंगी।राजनीतिक दलों की सोच से आम लोगो की सोच अलग है।लोगो के मन को भांप लेना बड़ा मुश्किल है।

मिसाइल मैन .डॉ एपीजे अब्दुल कलाम

संजय गोस्वामी

डॉ कलाम साहब को मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता था. वे भारत के भारतीय गणतंत्र के ग्यारहवें निर्वाचित राष्ट्रपति थे। डॉ अब्दुल कलाम को पीपल्स प्रेजिडेंट भी कहा जाता था उनका मानना था कि श्इंतजार करने वालों को सिर्फ उतना ही मिलता है, जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैंश. ऐसे प्रेरणादायी शब्द से छात्रों को संबोधित करते रहते थे.एक साधारण परिवार में 15 अक्टूबर 1931 को धनुषकोडी गाँव (रामेश्वरम, तमिलनाडु) में एक मध्यमवर्ग मुस्लिम परिवार में इनका जन्म हुआ. अपनी मेहनत और बुद्धिमता से ना सिर्फ विज्ञान के क्षेत्र में प्रसिद्धि हासिल की और भारत के राष्ट्रपति पद तक का सफर तय किया बल्कि ये भी साबित किया कि अगर कोई इंसान ठान ले तो कुछ भी असंभव नहीं है. 1963 में कलाम भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान, इसरो से जुड़े और यहां भी भारत की ताकत को बढ़ाने में अपना योगदान दिया. सैटेलाइट लॉन्च वेहिकल के प्रॉजेक्ट मिशन से जुड़े. अब्दुल कलाम को मिसाइल मैन के नाम से जाना जाता है उन्होंने अपनी मेहनत और क्षमता के दम पर भारत को वो शक्ति दी जिससे भारत अपनी धाक दुनिया के सामने जमा सका. 1982 में कलाम रक्षा अनुसंधान विकास संगठन, क्त्क्क् से जुड़े और उनके नेतृत्व में ही भारत ने नाग, पृथ्वी, आकाश, त्रिशूल और अग्नि जैसे मिसाइल विकसित किए. इन्होंने भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किये। उनके भाषणों में कम से कम एक कुरल का उल्लेख अवश्य रहता था। राजनीतिक स्तर पर कलाम की चाहत थी कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की भूमिका विस्तार हो और भारत ज्यादा से ज्याद महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाये। भारत को महाशक्ति बनने की दिशा में कदम बढाते देखना उनकी दिली चाहत थी। उन्होंने कई प्रेरणास्पद पुस्तकों की भी रचना की थी और वे तकनीक को भारत के जनसाधारण तक पहुँचाने की हमेशा वकालत करते रहे थी। बच्चों और युवाओं के बीच डाक्टर कलाम अत्यधिक लोकप्रिय थे। वह भारतीय अन्तरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के कुलपति भी थे।ष्ट्रपति पद से सेवामुक्त होने के बाद डॉ कलाम शिक्षण, लेखन, मार्गदर्शन और शोध जैसे कार्यों में व्यस्त रहे और भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिल्लोंग, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर, जैसे संस्थानों से विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर जुड़े रहे। इसके अलावा वह भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर के फेलो, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी, थिरुवनन्थपुरम, के चांसलर, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के प्रोफेसर भी रहे।उन्होंने आई. आई. आई. टी. हैदराबाद, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी और अन्ना यूनिवर्सिटी में सूचना प्रौद्योगिकी भी पढाया था।कलाम हमेशा से देश के युवाओं और उनके भविष्य को बेहतर बनाने के बारे में बातें करते थे। इसी सम्बन्ध में उन्होंने देश के युवाओं के लिए ÷व्हाट कैन आई गिव' पहल की शुरुआत भी की जिसका उद्देश्य भ्रष्टाचार का सफाया है। देश के युवाओं में उनकी लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें 2 बार (2003 - 2004) 'एम.टी.वी. यूथ आइकॉन ऑफ़ द इयर अवार्ड' के लिए मनोनित भी किया गया था।वर्ष 2011 में प्रदर्शित हुई हिंदी फिल्म 'आई ?म कलाम' उनके जीवन से प्रभावित है। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने विंग्स ऑफ फायर, इग्नाइटेड माइंड्स, इंडिया 2020 जैसी कई मशहूर और प्रेरणा देने वाली किताबें लिखी हैं. जो खासकर छात्रों को प्रेरित करती रही.इन्होंने 1974 में भारत द्वारा पहले मूल परमाणु परीक्षण के बाद से दूसरी बार 1998 में भारत के पोखरान-द्वितीय परमाणु परीक्षण में एक निर्णायक, संगठनात्मक, तकनीकी और राजनैतिक भूमिका निभाई। ! सपने वो नहीं होते जो रात को सोने समय नींद में आये, सपनें वो होते हैं जो रातों में सोने नहीं देतेश. ऐसे दमदार विचार रखने वाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम अब इस दुनिया में नहीं रहे. किये।27 जुलाई 2015 की शाम डॉ अब्दुल कलाम भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलोंग में श्रहने योग्य ग्रहश् पर एक व्याख्यान दे रहे थे जब उन्हें जोरदार कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा) हुआ और ये बेहोश हो कर गिर पड़े। लगभग 6रू30 बजे गंभीर हालत में इन्हें बेथानी अस्पताल में आईसीयू में ले जाया गया और दो घंटे के बाद इनकी मृत्यु की पुष्टि कर दी गई।जिसके बाद करोड़ों लोगों के प्रिय और चहेते डॉ अब्दुल कलाम परलोक सिधार गए

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भगवान राम के बारे में शोध किया था, खासकर रामायण काल के हथियारों और रामसेतु जैसे विषयों पर। वे भारतीय संस्कृति और साहित्य में गहरी रुचि रखते थे और रामसेतु पर शोध को आधुनिक हथियारों के विकास में मददगार मानते थे। उनका मानना था कि रामेश्वरम में रहने और पिता के साथ मंदिर जाने के कारण भगवान राम के प्रति उनकी विशेष श्रद्धा थी। शोध और रुचि~ डॉ. कलाम रामायण काल के अस्त्र-शस्त्रों पर शोध करने में रुचि रखते थे, यह मानते हुए कि इससे आधुनिक हथियारों के विकास में मदद मिल सकती है। खासकर, भीड़ नियंत्रण के लिए सम्मोहन अस्त्र जैसे विषयों पर उनका शोध था। रामसेतु~ उन्होंने रामसेतु के बारे में भी शोध किया था और इसका संबंध उस समय से जोड़ा था जब समुद्र स्तर लगभग झ(28झ) मीटर बढ़ा था। आस्था और जन्मस्थान~ रामेश्वरम में जन्म और पालन-पोषण के कारण, वह अपने पिता के साथ अक्सर रामेश्वरम मंदिर जाते थे। भारत के पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइलमैन अब्दुल कलाम जिन्होंने भारत का सर्वोच्च पद संभाला, जिन्हें देश का सर्वोच्च सम्मान मिला। लेकिन उन्होंने कभी अपने पद की शक्ति का अहंकार नहीं किया। वो हमेशा लोगों की सेवा के लिए तत्पर रहते थे। उन्होंने देश सेवा और लोगों की सेवा को ही अपना पहला और अंतिम लक्ष्य बना लिया था और उसी पथ पर वो जीवनभर चलते रहे। भारत के पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइलमैन अब्दुल कलाम के जिन्होंने अपने जीवनकाल में कई ऐसे अनमोल और प्रेरणादायी वचन कहे हैं। जिन्हें अगर आप आत्मसात कर लें यानी अपनी आत्मा में बिठा लें तो यकीन मानिए इससे आपका भविष्य तो उज्ज्वल होगा ही, साथ ही आपके जीवन को भी ये बेहतर बना देगा। मिसाइलमैन अब्दुल कलाम के 10 अनमोल और प्रेरणादायी वचन। 1. ऊंचाई तक जाने के लिए शक्ति अर्थात योग्यता की आवश्यक्ता होती है, चाहे वो ऊंचाई एवरेस्ट की हो या आपके करियर की। 2. मुश्किलें जिंदगी का हिस्सा हैं। उसके कारण जिंदगी को समाप्त नहीं किया जा सकता, लेकिन स्वयं की मदद करें जिससे आप अपनी ताकत को जान सकें। मुश्किलों को भी पता चलने दो कि उसके लिए आप कितने मुश्किल हैं। 3. इंसान को जीवन में मुश्किलों की जरूरत है, क्योंकि यही मुश्किलें सफलता का सुख अनुभव कराती हैं। 4. हमें उम्मीद नहीं छोड़ना चाहिए और न ही खुद को हारने की अनुमति देनी चाहिए। 5. किसी सपने को पूरा करने के लिए सपने देखना जरूरी है। 6. अपने मिशन में सफल होने के लिए हमें अपने लक्ष्य की ओर एकाग्रचित होकर कार्य करना चाहिए। सफलता जरूर मिलेगी।

नोबेल शांति पुरस्कार की गूंज और भारतीय राजनीति का तापमान

विनोद कुमार सिंह

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया,तो इसकी गूंज भारत तक पहुँची।यह सम्मान केवल किसी व्यक्ति का नहीं,बल्कि लोकतांत्रिक चेतना और अहिंसक संघर्ष की वैश्विक विजय का प्रतीक बना।राहुल गाँधी,लोकतंत्र के प्रहरी,जन विश्वास की नई किरण बन गई है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की राजधानी दिल्ली की फिज़ाओं में कुछ ही दिन पहले धर्म और अधर्म के बीच हुए भव्य रामलीला महोत्सव की प्रतिध्वनि गूंज रही थी। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम द्वारा अहंकारी रावण का वध कर सत्य और धर्म की विजय का संदेश देने के साथ ही विश्व राजनीति के मंच से एक ओर ÷सत्य की विजय÷ की घोषणा हुई- तभी नोबेल शांति पुरस्कार 2025 का ऐलान।इस वर्ष यह सम्मान वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को दिया गया है।उन्होंने अपने देश में लोकतंत्र की रक्षा के लिए अहिंसक संघर्ष किया।जब सत्तावादी शासन ने संविधान और नागरिक स्वतंत्रताओं पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास किया,तब मचाडो ने भय और दमन के वातावरण में भी जनता की आवाज़ बुलंद की।यही साहस उन्हें विश्व का सम्मान दिलाने में सहायक बना।उनका यह सम्मान आज वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक चेतना को नया बल प्रदान कर रहा है।मारिया मचाडो को मिला यह सम्मान केवल वेनेजुएला की जीत नहीं,बल्कि लोकतंत्र की रक्षा करने वाले हर नागरिक की विजय है।भारत में भी इस पुरस्कार की गूंज सत्ता और विपक्ष,दोनों के गलियारों में सुनाई दी।कांग्रेस प्रवक्ता सुरेन्द्र राजपूत ने मचाडो और राहुल गाँधी की तस्वीर साझा करते हुए कहा कि ÷वेनेजुएला में लोकतंत्र की रक्षा करने वाली मचाडो को नोबेल मिला,भारत में संविधान की रक्षा के लिए राहुल गाँधी संघर्ष कर रहे हैं।÷इस टिप्पणी ने भारतीय राजनीति में नए विमर्श को जन्म दिया।सत्ता और विपक्ष के गलियारों में यह चर्चा शुरू हो गई कि क्या भारत में लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करना ही आज का सबसे बड़ा सम्मान नहीं है? भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में राहुल गाँधी अब केवल एक विपक्षी नेता नहीं,बल्कि लोकतांत्रिक आत्मा के रक्षक और विचार के वाहक बनकर उभरे हैं।वे बार-बार यह कहते हैं - ÷राजनीति मेरे लिए सत्ता का माध्यम नहीं,बल्कि सत्य और न्याय की सेवा का मार्ग है।÷पिछले एक दशक में उन्होंने संसद से लेकर सड़क तक,और नागरिक मंचों से लेकर संस्थानों तक हर स्थान पर आवाज़ उठाई,जहाँ उन्हें लगा कि लोकतंत्र की नींव कमजोर की जा रही है।उनका स्पष्ट मानना है कि ÷लोकतंत्र केवल चुनाव नहीं,बल्कि जनता और सत्ता के बीच सत्य का संवाद है।÷कानूनी चुनौतियों,व्यक्तिगत हमलों और तीखी आलोचनाओं के बावजूद राहुल गांधी ने नफ़रत के बजाय संवाद, टकराव के बजाय प्रेम और विभाजन के बजाय एकता की राह चुनी।यही दृष्टि उन्हें आज की राजनीति में विशिष्ट बनाती है।भारत जोड़ो यात्रा~ संवाद और संवेदना का आंदोलन -राहुल गाँधी की 2022 में शुरू हुई, भारत जोड़ो यात्रा उनके राजनीतिक दर्शन का सशक्त उदाहरण है।यह यात्रा किसी चुनावी रणनीति से अधिक एक सामाजिक और नैतिक आंदोलन थी,जिसका उद्देश्य था भारत की विविधता को जोड़ना और विभाजन की राजनीति के बीच संवाद की संस्कृति को पुनर्जीवित करना।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने श्रमवीरों के कल्याण के लिए दिए 11 करोड़ 50 लाख

भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की बैठक सम्पन्न, श्रमिकों के सम्मान और उत्थान के लिए सरकार प्रतिबद्ध — मुख्यमंत्री

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित कैंप कार्यालय में उत्तराखण्ड भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (चक्नष्टद्धङ्क) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने बोर्ड में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके आश्रितों के कल्याणार्थ ऑनलाइन पोर्टल एवं डीबीटी (ष्ठद्बह्मद्गष्ह्ल क्चद्गठ्ठद्गद्धद्बह्ल ञ्जह्म्ड्डठ्ठह्यद्धद्गह्म) के माध्यम से लगभग 10,000 श्रमिकों और उनके परिजनों को कुल ?11 करोड़ 50 लाख की आर्थिक सहायता राशि हस्तांतरित की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह केवल धनराशि हस्तांतरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राज्य के परिश्रमी श्रमवीरों के प्रति सम्मान और आभार प्रकट करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि प्रत्येक श्रमिक परिवार को शिक्षा, स्वास्थ्य, विवाह सहायता, मृत्यु उपरांत सहायता जैसी योजनाओं का सीधा और पारदर्शी लाभ समयबद्ध रूप से प्राप्त हो। सभी योजनाओं को डिजिटल माध्यमों से जोड़ा जा रहा है ताकि पात्र लाभार्थियों तक सहायता शीघ्रता से पहुँच सके।

बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अगले तीन महीनों में कम से कम 5 से 6 लाख श्रमिकों को भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अंतर्गत पंजीकृत किया जाए। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग एवं बोर्ड के अधिकारियों का यह दायित्व है कि वे प्रत्येक श्रमिक तक पहुँच बनाएं और उन्हें सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं एवं सुविधाओं की पूरी जानकारी दें।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि जानकारी के अभाव में पात्र श्रमिक अक्सर योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं, जो किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं की जानकारी पंचायत स्तर तक पहुँचाई जाए और पंजीकरण अभियान को मिशन मोड में चलाया जाए।

मनरेगा श्रमिकों को भी बोर्ड के दायरे में लाने के निर्देश

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि राज्य के सभी मनरेगा श्रमिकों को शीघ्रतापूर्वक भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अंतर्गत आच्छादित किया जाए। उन्होंने कहा कि यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और किसी भी प्रकार की शिथिलता या विलंब स्वीकार्य नहीं होगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य का विकास हमारे श्रमिक भाइयों-बहनों के परिश्रम पर आधारित है। उनके कल्याण में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। सभी मनरेगा श्रमिकों को कल्याण बोर्ड के अंतर्गत लाना हमारा लक्ष्य ही नहीं, यह सरकार की जिम्मेदारी है।÷

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि श्रमिकों की मेहनत और समर्पण ही राज्य की प्रगति की वास्तविक नींव है। राज्य सरकार श्रमवीरों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि मेहनत हमारी ताकत है, एकता हमारी पहचान है। राज्य सरकार हमारे परिश्रमी श्रमवीरों के हर सुख-दुःख की सहभागी है। उनका कल्याण ही हमारी सरकार का सर्वोच्च लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे श्रमिकों के उत्थान के लिए समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें तथा श्रमिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए हर संभव प्रयास करें।

खनन विभाग बना 'मॉडल डिपार्टमेंट', राजस्व में 800 करोड़ की वृद्धि

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने राज्य के खनन विभाग के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि खनन राजस्व में 800 करोड़ रुपये की अप्रत्याशित वृद्धि सरकार की पारदर्शी नीति और सशक्त व्यवस्था का परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की खनन नीति अब अन्य राज्यों के लिए एक 'मॉडल नीति' बन चुकी है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों के अधिकारी उत्तराखण्ड आकर यहाँ के खनन मॉडल का अध्ययन कर रहे हैं और इसे अपने राज्यों में लागू करने के प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पारदर्शिता, जवाबदेही और कठोर निगरानी व्यवस्था के कारण खनन क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना समाप्त हो गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ईमानदार नीयत, स्पष्ट नीति और कठोर क्रियान्वयन से किसी भी क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। सभी विभागों को खनन विभाग की कार्यसंस्कृति और अनुशासन से सीख लेते हुए अपने कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करना चाहिए।

राज्य के विकास की दिशा में पारदर्शी शासन व्यवस्था का उदाहरण

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने विभागों में दक्ष, पारदर्शी और परिणामोन्मुख व्यवस्था स्थापित करें, जिससे जनता को योजनाओं का वास्तविक लाभ समय पर प्राप्त हो और राज्य के राजस्व में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित की जा सके।

एक नजर

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने टिहरी व उत्तरकाशी के डीपीआरओ के आदेश किए रद्द

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टिहरी गढ़वाल एवं उत्तरकाशी जिलों में मकानों पर नंबर प्लेट लगाने से संबंधित जिला पंचायत राज अधिकारियों (डीपीआरओ) के आदेशों को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। मुख्यमंत्री ने इस मामले की पूरी जांच कराने और दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। ज्ञात हो कि हाल ही में सोशल मीडिया पर टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिलों के डीपीआरओ द्वारा जारी वह पत्र वायरल हुआ था, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ भारत मिशन एवं अन्य सरकारी कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार हेतु मकानों पर नंबर प्लेट लगाने का कार्य एक बाहरी व्यक्ति को देने की बात कही गई थी। इस प्रकरण पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने त्वरित संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे सभी कार्यों में पारदर्शिता और निष्पक्षता बरती जाए तथा स्थानीय लोगों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य सरकार के संकल्प के अनुरूप प्रत्येक योजना और कार्यक्रम जनहित, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ लागू किए जाने चाहिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि 10 करोड़ तक की सभी सरकारी अधिप्राप्तियों (टेंडरों) में स्थानीय व्यक्तियों और संस्थाओं को प्राथमिकता दी जाए और इस संबंध में जारी शासनादेशों का हर स्तर पर सख्ती से अनुपालन किया जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड के युवाओं, कारीगरों और उद्यमियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। सरकारी कार्यों के माध्यम से स्थानीय रोजगार सृजन को बढ़ावा देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने विकास कार्यों के लिए दी 196 करोड़ रुपये की सौगात

ऊर्जा, शिक्षा, पेयजल और आपदा प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण परियोजनाओं को स्वीकृति

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में विभिन्न निर्माण, विकास एवं जनकल्याण कार्यों के लिए कुल 196 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है। इन स्वीकृतियों में ऊर्जा, शिक्षा, पेयजल, आपदा प्रबंधन और अधोसंरचना विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाएँ शामिल हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने पिटकुल द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु राज्य सरकार की वार्षिक योजना के अंतर्गत एडीबी (एशियन डेवलपमेंट बैंक) वित्त पोषित बाह्य सहायतित परियोजनाओं के लिए प्रावधानित बजट के सापेक्ष 105.09 करोड़ की धनराशि अवमुक्त किए जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने उत्तराखंड नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) की सप्तेश्वर लघु जल विद्युत परियोजना (300 किलोवाट) के सिविल, इलेक्ट्रोमैकेनिकल और विद्युत पारेषण लाइन से संबंधित कार्यों हेतु 1.19 करोड़ (119.97 लाख) की योजना को स्वीकृति प्रदान की है।

शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री धामी ने बड़ा निर्णय लेते हुए माध्यमिक शिक्षा विभागांतर्गत शैक्षिक सत्र 2025-26 से गेम चेंजर योजना के तहत राज्य के सभी राजकीय एवं सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों (प्रारंभिक व माध्यमिक) में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को प्रत्येक सत्र में निःशुल्क नोटबुक प्रदान किए जाने हेतु 52.84 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025: देहरादून में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पथ प्रवाह, देहरादून। स्वच्छता ही सेवा - 2025÷ अभियान के तहत पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून ने पीएम अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज, दूधली में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता, व्यक्तिगत हाइजीन और मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। वैज्ञानिक 'ई' डॉ. अशिष कुमार ने विद्यार्थियों को हाथों की स्वच्छता के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नियमित हाथ धोने की आदत जीवन प्रत्याशा बढ़ाने में सहायक होती है। अपर निरीक्षक (वन) नीलिमा शाह ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए मानसिक और शारीरिक स्वच्छता पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ विचार, नियमित व्यायाम और खेलकूद विशेष रूप से बालिकाओं के समग्र विकास के लिए आवश्यक हैं। वैज्ञानिक 'सी' डॉ. विपिन गुप्ता ने बच्चों के लिए स्वच्छता और हाइजीन पर क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में विजयी 20 विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए गए।

250 विद्यार्थियों को स्वच्छता किट वितरित

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को स्वच्छता किट वितरित की गई। किट में शामिल थे। नेल कटर, बिस्किट, हैंडवॉश, जूस किटों का उद्देश्य बच्चों में स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

विद्यालय और मंत्रालय की भागीदारी

विद्यालय के प्रधानाचार्य सुधांशु असवाल और उप-प्रधानाचार्य रहेन्द्र सिंह शाह ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। मंत्रालय की टीम के सदस्य दीपक रावत, विकास शाह, आकाश कृष्णेंदु बनर्जी, गुरमीत कौर, मनीष छेत्री, विजय, मंगे राम और जितेंद्र कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और संदेश

विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से ÷स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत÷ का संदेश दिया। कार्यक्रम नोएडा टेस्टिंग लेबोरेटरी, गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) द्वारा प्रायोजित किया गया।

केंद्र सरकार ने दी मंजूरी-बनबसा में बनेगा अत्याधुनिक 'एकीकृत जांच चौकी'

चंपावत जनपद के लिए विकास की बड़ी सौगात, 34 हेक्टेयर वन भूमि विचलन को मिली अंतिम स्वीकृति

पथ प्रवाह, नई दिल्ली/देहरादून

उत्तराखंड के सीमांत जनपद चंपावत को केंद्र सरकार की ओर से एक बड़ी विकासात्मक परियोजना की सौगात मिली है। केंद्र सरकार ने बनबसा क्षेत्र में प्रस्तावित एकीकृत जांच चौकी (Integrated Check Post - ICP) के निर्माण हेतु वन भूमि विचलन को अंतिम स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह स्वीकृति वन (संरक्षण एवं संवर्धन) अधिनियम, 1980 की धारा 2 के अंतर्गत दी गई है।

इस परियोजना के लिए कुल 34.00 हेक्टेयर आरक्षित वन भूमि को भूमि बंदरगाह प्राधिकरण, भारत (Land Port Authority of India - LPAI) के पक्ष में विचलित किया गया है। यह भूमि तराई पूर्व वन प्रभाग, हल्द्वानी के अंतर्गत चैनी कम्पार्टमेंट-14, बनबसा, पूर्णागिरी (टनकपुर) तहसील, जिला चंपावत में स्थित है।

सूत्रों के अनुसार, एकीकृत जांच चौकी के निर्माण से भारत-नेपाल सीमा पर व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आने के साथ-साथ सुरक्षा एवं आवागमन व्यवस्था भी और अधिक सुदृढ़ होगी। यह परियोजना भारत सरकार के सीमा क्षेत्र विकास एवं व्यापार सुगमता कार्यक्रम के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

स्थानीय स्तर पर इस परियोजना को लेकर उत्साह का माहौल है। जनपद चंपावत के जनप्रतिनिधियों और व्यापारिक संगठनों ने केंद्र सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा है कि बनबसा ICP के निर्माण से सीमांत क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को नई दिशा मिलेगी। अधिकारियों के अनुसार, स्वीकृति मिलने के बाद अब परियोजना के निर्माण कार्य की औपचारिक तैयारियां प्रारंभ की जाएंगी। जल्द ही भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया पूर्ण कर भूमि बंदरगाह प्राधिकरण को निर्माण कार्य के लिए अधिग्रहण सौंपा जाएगा।

समस्याओं के निस्तारण में देरी पर होगी सख्त कार्रवाई जिलाधिकारी प्रशांत आर्य

जनता मिलन कार्यक्रम में 34 शिकायतें हुई दर्ज, अधिकांश का मौके पर हुआ निस्तारण

पथ प्रवाह, संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कहा कि जनपदवासियों की समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की देरी या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जनता मिलन कार्यक्रम में प्राप्त सभी शिकायतों का 7 से 10 दिनों के भीतर त्वरित एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि किसी भी अधिकारी द्वारा लापरवाही की गई तो उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

मंगलवार को जिला कार्यालय सभागार में जिलाधिकारी प्रशांत आर्य की अध्यक्षता में जनता मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित 34 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को तत्काल कार्यवाही के लिए भेजा गया।

आपदा में राफ्टिंग उपकरण बहने पर इंश्योरेंस क्लेम में देरी पर कार्रवाई के निर्देश

एक शिकायतकर्ता द्वारा आपदा के दौरान राफ्टिंग का सामान बह जाने के बाद इंश्योरेंस क्लेम में हो रही देरी की समस्या रखी गई। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित एजेंसी पर हीलाहवाली बरतने पर कड़ी नाराजगी जताई और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

धरासू-ताराकोट-जिब्या मार्ग पर एप्रोच रोड न बनने पर फटकार

शिकायतकर्ता चिरंजी प्रसाद अवस्थी ने बताया कि धरासू-ताराकोट-जिब्या मार्ग पर ब्रिडकुल द्वारा चार पुलों का निर्माण तो हुआ, लेकिन एप्रोच रोड और सेफ्टी वॉल का निर्माण अब तक नहीं किया गया है। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता ब्रिडकुल से कारण पूछा और त्वरित कार्रवाई करने के आदेश दिए।

गलत जानकारी देने पर अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी को फटकार

ग्राम प्रधान अलेथ कविता रावत ने बताया कि लोनिवि की सड़क से निकला मलबा सिंचित खेतों में डाला जा रहा है। इस पर अधिशासी अभियंता द्वारा सही जानकारी न देने पर जिलाधिकारी ने कड़ी फटकार लगाई और तत्काल मलबा हटाने के निर्देश दिए। साथ ही एडीएम मुक्त मिश्रा को विभागीय अनियमितताओं की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।

भूधंसाव और आपदा कार्यों पर दिए त्वरित आदेश

भटवाड़ी तहसील के ढासला के कमेड़ा तोक और सिल्याण गांव में भूधंसाव की शिकायतों पर जिलाधिकारी ने भू-वैज्ञानिक सर्वे और आपदा से प्रोटेक्शन कार्य तत्काल शुरू करने की स्वीकृति प्रदान की।

दिव्यांग बालिका को बीपीएल कार्ड दिलाने के निर्देश

एक दिव्यांग बालिका समीक्षा द्वारा बीपीएल राशन कार्ड बनवाने में आ रही समस्या को रखते हुए जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी और डीपीआरओ को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

रोजगार से जुड़ी शिकायत पर मिला आश्वासन

महिला कल्याण विभाग डुंडा द्वारा एक फरियादी को एजेंसी के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए।

अनुपस्थित अधिकारी को कारण बताओ नोटिस

कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी की अनुपस्थिति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

अगले माह अगोड़ा में लगाया जाएगा बहुउद्देशीय शिविर

जिलाधिकारी ने कहा कि अगले माह अस्सी गंगा घाटी के अगोड़ा क्षेत्र में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि जनता मिलन कार्यक्रम प्रत्येक माह के दूसरे और चौथे मंगलवार को नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा। सभी जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों पर समयबद्ध निस्तारण ही सुशासन की पहचान है, और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही अस्वीकार्य होगी। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी मुक्त मिश्रा, उपजिलाधिकारी डुंडा देवानंद शर्मा, पुलिस उपाधीक्षक जनक पंवार, परियोजना निदेशक अजय सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.एस. रावत, डीटीडीओ के.के. जोशी, जिला पूर्ति अधिकारी आशीष कुमार, कृषि अधिकारी एस.एस. वर्मा, एआरटीओ रत्नाकर सिंह, शिक्षा अधिकारी शैलेन्द्र अमोली सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। यमुना घाटी के अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े रहे।

एक नजर

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तरकाशी के निर्देशन में चला जेनेरिक दवाओं पर विशेष अभियान, सचिव सचिन कुमार ने औषधि निरीक्षक संग किया मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण

पथ प्रवाह, संवाददाता, उत्तरकाशी। उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल एवं जिला अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उत्तरकाशी के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तरकाशी के तत्वावधान में जेनेरिक दवाएं प्रभावी किफायती और आवश्यक सुरक्षित दवा सुरक्षित जीवन अभियान के तहत दो दिवसीय जनजागरूकता व निरीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान का नेतृत्व सचिव सचिन कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा औषधि निरीक्षक, उत्तरकाशी ने संयुक्त रूप से किया। यह अभियान 13 और 14 अक्टूबर को जोशियाड़ा क्षेत्र के विभिन्न मेडिकल स्टोर्स एवं जिला चिकित्सालय स्थित प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र में चलाया गया।

निरीक्षण के दौरान औषधि विक्रेताओं को सख्त निर्देश दिए गए कि वे दूषित कफ सिरप जैसे कोल्ड्रिफ, रेस्पिफ्रेश, रिलीफ या इसी तरह की अन्य दवाइयों की बिक्री दो वर्ष से छोटे बच्चों को न करें। साथ ही बिना चिकित्सक के परामर्श के किसी भी प्रकार के कफ सिरप की बिक्री नहीं की जाएगी।

सचिव सचिन कुमार ने बताया कि जेनेरिक दवाइयां गुणवत्ता और प्रभाव के लिहाज से ब्रांडेड दवाओं के समान होती हैं, किंतु उनकी कीमत कम होने के कारण वे आमजन के लिए अधिक किफायती हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य लोगों को सुरक्षित, प्रमाणित और सस्ती जेनेरिक दवाओं के प्रति जागरूक करना है, ताकि समाज का प्रत्येक वर्ग इनसे स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सके।

निरीक्षण के दौरान मेडिकल स्टोर्स में अवसान (श्व×श्वद्बह्म4) दवाओं की जांच की गई और उनके निस्तारण की प्रक्रिया की विस्तार से समीक्षा की गई। सचिव सचिन कुमार ने सभी विक्रेताओं को निर्देशित किया कि वे समाप्त हो चुकी दवाइयों के लिए अलग बॉक्स तैयार करें और उन्हें सामान्य कूड़े में न डालें। ऐसी दवाओं को पीले रंग के बैग में एकत्र कर जिला अस्पताल के बायो-मेडिकल वेस्ट सेक्शन में जमा करने के निर्देश दिए गए।

इस दौरान मेडिकल स्टोर संचालकों को सीसीटीवी कैमरे लगाने, वैध फूड लाइसेंस और मेडिकल लाइसेंस बनाए रखने के भी स्पष्ट निर्देश दिए गए। साथ ही, अभियान के अंतर्गत डोर-टू-डोर जनजागरूकता अभियान चलाया गया, जिसके माध्यम से लोगों को पेम्फलेट वितरित कर जेनेरिक दवाओं के लाभ, उनकी गुणवत्ता और किफायती उपयोग के बारे में जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्रद्धालुओं के दल को गंगोत्री धाम के लिए किया रवाना

मातृ-पितृ तीर्थाटन योजना के तहत 32 श्रद्धालु करेंगे पांच दिवसीय पवित्र यात्रा – मुख्यमंत्री ने दी मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं

पथ प्रवाह, हल्द्वनी

उत्तराखंड सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की श्रृंखला में मंगलवार का दिन वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष रहा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मातृ-पितृ तीर्थाटन योजना के तहत 32 श्रद्धालुओं के दल को हरी झंडी दिखाकर गंगोत्री धाम की पवित्र यात्रा के लिए रवाना किया। यह यात्रा पांच दिनों तक चलेगी, जिसमें श्रद्धालु गंगोत्री सहित मार्ग के अनेक पवित्र स्थलों के दर्शन करेंगे। हल्द्वानी सर्किट हाउस में आयोजित इस भावनात्मक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुखद और मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित मातृ-पितृ तीर्थाटन योजना का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर प्रदान करना और उनके जीवन में आध्यात्मिक शांति, आनंद एवं आत्मसंतोष का संचार करना है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा, हमारे माता-पिता और बुजुर्गों ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा परिवार और समाज के लिए समर्पित किया है। अब सरकार का दायित्व है कि उन्हें सम्मान और सुविधा के साथ धार्मिक स्थलों की यात्रा का अवसर दिया जाए। यह योजना न केवल आस्था का सम्मान है, बल्कि बुजुर्गों के प्रति सरकार की कृतज्ञता का प्रतीक भी है। इस बार रवाना हुए 32 श्रद्धालुओं के दल में 19 महिलाएं और 13 पुरुष यात्री शामिल हैं। यात्रियों के लिए आवास, भोजन एवं आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था गढ़वाल मंडल विकास निगम (जीएमवीएन) के पर्यटक आवास केंद्रों में की गई है। सभी श्रद्धालु यात्रा के दौरान गंगोत्री धाम के साथ-साथ मार्ग के अन्य पवित्र तीर्थस्थलों के भी दर्शन करेंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक वरिष्ठ नागरिक इस योजना का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही इस योजना का दायरा और भी विस्तारित करेगी, ताकि प्रदेश के दूरस्थ इलाकों के बुजुर्ग भी इस आध्यात्मिक यात्रा का हिस्सा बन सकें।

कार्यक्रम में विधायक बंशीधर भगत (कालाढूंगी), विधायक राम सिंह कैड़ा (भीमताल), भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, कुमाऊं मंडल आयुक्त दीपक रावत, आईजी श्रीमती रिद्धिम अग्रवाल, तथा अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

हिमालय की गोद में दिव्यता का प्रतीक केदारताल, जहाँ आत्मा और प्रकृति का होता है अद्भुत संगम

पथ प्रवाह,संवाददाता

उत्तरकाशी। गंगोत्री नेशनल पार्क की ऊँचाइयों में समुद्र तल से लगभग 4,750 मीटर की ऊँचाई पर स्थित केदारताल हिमालय की दिव्य शांति, आध्यात्मिकता और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम है। यह झील उन यात्रियों और साधकों के लिए किसी ध्यानस्थ अनुभव से कम नहीं, जो हिमालय की निस्तब्धता में आत्मा की गूँज सुनना चाहते हैं। हिमनदों के पिघले जल से बनी यह झील अपनी पारदर्शी सतह पर थलय सागर, भृगुपंथ और मेरु पर्वत जैसी प्रसिद्ध हिमाच्छादित चोटियों का प्रतिबिंब समेटे रहती है। जब सूर्योदय की पहली किरणें इन शिखरों को आलोकित करती हैं, तो झील की सतह सुनहरी आभा से झिलमिलाने लगती है मानो स्वयं हिमालय ध्यानमग्न होकर सृष्टि को आशीर्वाद दे रहा हो। गंगोत्री नेशनल पार्क के उपनिदेशक

हरीश नेगी बताते हैं, ÷केदारताल केवल एक ट्रेकिंग स्थल नहीं है, बल्कि यह आत्मा और प्रकृति के संगम का अनुभव कराने वाला पवित्र स्थल है।

यहाँ पहुँचने वाला हर व्यक्ति हिमालय की विराटता में अपनी सीमित पहचान को नए अर्थों में महसूस करता है। केदारताल तक पहुँचने वाला मार्ग गंगोत्री से आरंभ होता है, जो देवदार और भोजपत्र के घने जंगलों, तीखी चढ़ाइयों और हिमनदीय घाटियों से होकर गुजरता है। यह ट्रेक राज्य के सबसे चुनौतीपूर्ण और मनोहारी मार्गों में गिना जाता है। रास्ते में दुर्लभ हिमालयी वन्यजीवों की झलक भी देखने को मिलती है।

एक नजर

अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर कड़ी निगरानी कर रही पुलिस और एसएसबी

पथ प्रवाह पिथौरागढ़। पुलिस अधीक्षक रेखा यादव के निर्देशन में अन्तर्राष्ट्रीय सीमाओं पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। जनपद पिथौरागढ़ की चीन एवं नेपाल से लगती सीमाओं को ध्यान में रखते हुए क्षेत्राधिकारी गोविन्द बल्लभ जोशी एवं क्षेत्राधिकारी के.एस. रावत के पर्यवेक्षण में सीमावर्ती थाना क्षेत्रों में पुलिस एवं एस.एस.बी. के जवानों द्वारा काली नदी के किनारे तथा अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित रूप से गश्त व कॉम्बिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली जौलजीबी नीरज चौधरी के नेतृत्व में पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम द्वारा जौलजीबी क्षेत्र में कॉम्बिंग की गयी। पिथौरागढ़ पुलिस आम जनमानस से अपील करती है कि वे सतर्क रहें, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें और सत्यापन संबंधी नियमों का पूर्ण पालन करें।

राज्यमंत्री सुनील सैनी ने समाज कल्याण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

पथ प्रवाह, देहरादून। उत्तराखंड पिछड़ा वर्ग कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष राज्यमंत्री सुनील सैनी ने मंगलवार को जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय, देहरादून में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। उपाध्यक्ष ने सभी योजनाओं से जनपद में शत प्रतिशत पात्र लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उपाध्यक्ष सुनील सैनी ने कहा कि समाज कल्याण विभाग आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद वर्ग से जुड़ा विभाग है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ किसी भी पात्र व्यक्ति से वंचित नहीं रहना चाहिए। वृद्धाश्रम और नशा मुक्ति केंद्र की जानकारी लेते हुए उपाध्यक्ष ने निर्देश दिए कि जिले में वृद्धाश्रम और नशा मुक्ति केंद्र का संचालन जल्द से जल्द शुरू किया जाए, ताकि जरूरतमंदों का पुनर्वास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि संचालन शुरू होने के बाद वे स्वयं इन केंद्रों का निरीक्षण करेंगे।

बहुउद्देशीय शिविर और दूरस्थ क्षेत्रों में सेवाएं

उपाध्यक्ष ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को जनपद के दूरस्थ क्षेत्रों में अधिक से अधिक बहुउद्देशीय शिविर आयोजित करने और मौके पर जन समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि जो भी पात्र व्यक्ति वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांग एवं सामाजिक पेंशन से वंचित है, उन्हें समाज कल्याण की योजनाओं से जोड़ा जाए। इस अवसर पर प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी ओबीसी मोर्चा प्रदीप, जिला महामंत्री किसान मोर्चा हितेश चौहान, जिला महामंत्री युवा मोर्चा दीपांशु शर्मा, मंडल अध्यक्ष प्रताप प्रधान, मंडल महामंत्री युवा मोर्चा सुशांत चौहान, सागर सैनी, सावेज अली, और जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संयुक्त राष्ट्र में सुधार जरूरी, भारत नियम आधारित व्यवस्था का पक्षधर : राजनाथ

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्थाओं में सुधारों की पुरजोर वकालत करते हुए कहा है कि विश्वास के संकट का सामना कर रही यह संस्था मौजूदा वास्तविकताओं के अनुरूप नहीं होने के कारण चुनौतियों से निपटने में विफल रही है। रक्षा मंत्री ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि कुछ देश खुलेआम अंतर्राष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर अपना दबदबा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। सिंह ने मंगलवार को यहां भारतीय सेना द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में यह बात कही। सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र में

शांति सैनिकों का योगदान देने वाले देशों के सेना प्रमुखों को संबोधित करते हुए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के पुराने बहुपक्षीय ढांचे पर सवाल उठाते हुए इसमें सुधारों की वकालत की। उन्होंने कहा, ÷हम आज की चुनौतियों का सामना पुराने बहुपक्षीय ढांचों से नहीं कर सकते। व्यापक सुधारों के बिना, संयुक्त राष्ट्र विश्वास के संकट का सामना कर रहा है। आज की परस्पर जुड़ी दुनिया के लिए, हमें एक सुधारित बहुपक्षवाद की आवश्यकता है, जो आज की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करे, सभी हितधारकों की आवाज बनें, समकालीन चुनौतियों का समाधान करे और मानव कल्याण पर केंद्रित हो।

कुछ देशों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नियमों की खुलआम धज्जी उडाये जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत पुरानी अंतर्राष्ट्रीय संरचनाओं में सुधार की वकालत करते हुए, अंतर्राष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को मज़बूती से कायम रखने में मज़बूती से खड़ा है। उन्होंने कहा, ÷आजकल, कुछ देश खुलेआम अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, कुछ उन्हें कमज़ोर करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि कुछ अपने नियम बनाकर अगली सदी पर अपना दबदबा बनाना चाहते हैं। इन सबके बीच, भारत पुरानी अंतर्राष्ट्रीय संरचनाओं में सुधार की वकालत करते हुए, अंतर्राष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को मज़बूती से कायम रखने में मज़बूती से खड़ा है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनुरूप सैन्य योगदान देने वाले देशों की अधिक भूमिका की वकालत करने वाली एक आवाज़ है। उन्होंने कहा, ÷जो लोग क्षेत्र में सेवा करते हैं और जोखिम उठाते हैं, उन्हें अपने मिशनों का मार्गदर्शन करने वाली नीतियों को आकार देने में एक सार्थक आवाज़ मिलनी चाहिए।

श्री सिंह ने कहा कि भारत मानता है कि शांति स्थापना की सफलता केवल संख्या पर ही नहीं, बल्कि तैयारियों पर भी निर्भर करती है। यहां स्थित हमारे संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र (सीयूएनपीके) ने 90 से अधिक देशों के प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया है। यह केंद्र व्यापक परिदृश्य-आधारित शिक्षा प्रदान करता है इसमें सशस्त्र समूहों के साथ बातचीत, खतरे में मानवीय अभियानों और संकट के दौरान नागरिक सुरक्षा का अनुकरण शामिल है।

जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित

प्रथ प्रवाह, पिथौरागढ़।

कलेक्ट्रेट सभागार में जिला प्रशासन, पिथौरागढ़ की ओर से जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी, द्धस् के स्थानांतरण के अवसर पर उनके उत्कृष्ट प्रशासनिक नेतृत्व, कुशल कार्यशैली एवं समर्पित सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम से अंत में जिलाधिकारी को पुलिस विभाग द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी देकर विदा किया गया। समारोह के दौरान गोस्वामी ने जनपद पिथौरागढ़ में अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न पदों पर एवं विशेषकर जिलाधिकारी के रूप में विगत 13 माह में किए गए महत्वपूर्ण कार्यों और अनुभवों को साझा किया। उन्होंने पहाड़ी जनपदों की भौगोलिक और सामाजिक चुनौतियों के बीच प्रशासनिक संतुलन बनाए रखने के अपने अनुभवों को भी रेखांकित किया। जिलाधिकारी गोस्वामी ने पहाड़ की जमीनी समस्याओं को नजदीक से समझकर जिस तरह समाधान निकाले, वह इस बात की मिसाल है कि पहाड़ में तैनात एक जिलाधिकारी कैसा होना चाहिए।

इस अवसर पर जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं राजस्व विभाग के कर्मियों ने गोस्वामी के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए उनकी नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और समाधानमूलक दृष्टिकोण की सराहना कर भविष्य में भी इसी तरह काम करते रहने और अच्छे स्वास्थ्य की मंगल कामना की। कार्यक्रम में जिलाधिकारी गोस्वामी ने कवि शिवमंगल सिंह 'सुमन' की प्रसिद्ध कविता जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला के माध्यम से भावपूर्ण समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि जीवन एक अनिश्चित पथ है, जिसमें अनेक लोगों से अनायास ही मिलन होता है। यह यात्रा सुख-दुःख के संग-साथ चलती है और प्रत्येक मोड़ पर नई चुनौतियाँ सामने आती हैं। इन सबके बीच जिन लोगों का साथ और स्नेह मिला, उनके प्रति मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी योगेन्द्र सिंह, समस्त उपजिलाधिकारीगण, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारीगण, कलेक्ट्रेट परिवार के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने गोस्वामी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी।

राष्ट्रीय ष्टक्चस्श्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप 2025 में डीएवी के विद्यार्थियों का अद्वितीय प्रदर्शन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल के होनहार बच्चे शिक्षा के साथ खेलकूद प्रतियोगिताओं में भी स्कूल का नाम गौरवांवित कर रहे है। राष्ट्रीय सीबीएसई तीरंदाजी चैम्पियनशिप 2025 में भी डीएवी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। जी.सी.एम. कॉन्वेंट स्कूल डिर्बा कड़ियल पंजाब में 20 सितंबर से 27 सितंबर तक यह प्रतियोगिता आयोजित हुई।

डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल, हरिद्वार के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने विद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।श्लोक सक्सेना (कक्षा VII D), कबीर वर्मा (कक्षा VII A), यथार्थ किमोठी (कक्षा VII D) ने -14, कम्पाउंड और वैष्णवी शर्मा (कक्षा VIII-A),-14 रिकॉर्व में प्रतियोगिता में भाग लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

टीम इवेंट (-14, कम्पाउंड) में विद्यालय की टीम ने शानदार खेल कौशल दिखाते हुए फाइनल तक का सफर तय किया और चौथा स्थान प्राप्त किया। व्यक्तिगत इवेंट (-14 कंपाउंड) में यथार्थ किमोठी ने अपनी प्रतिभा का परिचय देकर में टॉप 16 खिलाड़ियों में स्थान अर्जित किया और व्यक्तिगत ओलंपिक राउंड में 6th रैंक प्राप्त की। वहीं, वैष्णवी शर्मा ने अपने अद्भुत प्रदर्शन से कांस्य पदक (ब्रॉन्ज़ मेडल) हासिल कर विद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया।

इन उपलब्धियों पर विद्यालय परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दीं। साथ ही डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल, हरिद्वार के प्रधानाचार्य मनोज कुमार कपिल ने भी सभी छात्र-छात्राओं को उनकी इस उल्लेखनीय सफलता पर हार्दिक बधाई और आशीर्वाद दिया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कठिन मेहनत, लगन और समर्पण का परिणाम है, जिसने विद्यालय और क्षेत्र दोनों का नाम ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

हरिद्वार जीएसटी विभाग की छापेमारी, 19.04 लाख जुर्माना वसूला

पथ प्रवाह, हरिद्वार

दीपावली के त्योहारों के मद्देनज़र कर चोरी रोकने के लिए जीएसटी विभाग प्रदेशभर में सघन अभियान चला रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों और आह्वान के बाद विभाग ने हरिद्वार में बड़ी कार्रवाई करते हुए 13 वाहनों को सीज कर कुल 19 लाख 4 हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया। यह विभाग की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

जीएसटी टीम की कार्रवाई और चेकिंग अभियान

जीएसटी कमिश्नर सोनिका के निर्देशों पर विभाग की टीमें सुबह से ही विभिन्न स्थानों पर सक्रिय रहीं। नेशनल हाईवे और धनौरी पुल, टोल प्लाजा और आसपास के क्षेत्रों में विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। सामान से भरे वाहनों को रोककर उनके जीएसटी बिलों की जांच पड़ताल की जा रही है। जांच में बिल और कर दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर वाहनों को मौके पर ही सीज कर रोशनाबाद स्थित मुख्य कार्यालय में लाया जा रहा है। वहाँ माल की गणना और दस्तावेजों के मिलान के बाद जुर्माने की कार्रवाई की गई।

विभागीय सूत्रों के अनुसार, मंगलवार को दो अन्य वाहनों के माल की गणना की गई। जिससे जुर्माने की राशि में 3 लाख 10 हजार की वृद्धि हुई है।

सीज किए गए वाहनों में क्या था?

विभाग की कार्रवाई में सीज किए गए वाहनों में विभिन्न प्रकार का सामान पाया गया¬ पटाखे और दीपावली के गिफ्ट आइटम, काजू, बादाम और अन्य सूखे मेवे, अन्य व्यापारिक वस्तुएं

व्यापारियों में हड़कंप और आगे की कार्रवाई

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि दीपावली से पहले कर चोरी की आशंका बढ़ जाती है, इसलिए जीएसटी टीम लगातार निगरानी और औचक छापेमारी अभियान चला रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आने वाले दिनों में यह अभियान और भी सघनता के साथ जारी रहेगा ताकि प्रदेश में अवैध व्यापार और कर चोरी पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके।

इस कार्रवाई के बाद व्यापारियों में हड़कंप मचा हुआ है, और विभाग के अनुसार आगे भी इसी तरह के औचक चेकिंग अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे।

उत्तराखंड में प्रतिबंधित कफ सिरप पर छापेमारी, 370 से अधिक सैंपल जांच हेतु संकलित

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर औषधि विभाग की राज्यव्यापी सख्त निगरानी — मेडिकल स्टोर, दवा कंपनियों व अस्पतालों में लगातार छापेमारी जारी

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के दिशा-निर्देशों पर प्रदेशभर में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा निम्न गुणवत्ता की औषधियों और प्रतिबंधित कफ सिरप के विरुद्ध सघन औचक निरीक्षण अभियान जारी है।

स्वास्थ्य सचिव एवं आयुक्त, एफडीए डॉ. आर. राजेश कुमार के आदेशानुसार चल रहे इस राज्यव्यापी अभियान का नेतृत्व अपर आयुक्त (एफडीए) एवं ड्रग कंट्रोलर ताजबर सिंह जग्गी कर रहे हैं। विभागीय निरीक्षक टीमें फील्ड में लगातार सक्रिय हैं और अब तक 370 से अधिक औषधीय नमूने जांच हेतु संकलित किए जा चुके हैं।

अपर आयुक्त जग्गी ने बताया कि प्रदेशभर में नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जा रही है और किसी भी स्थिति में बच्चों या नागरिकों के स्वास्थ्य से समझौता नहीं किया जाएगा।

रामनगर, देहरादून और रुड़की में औचक छापेमारी, कई प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई

जनपद नैनीताल में 14 अक्टूबर 2025 को औषधि विभाग की टीम ने रामनगर के खताड़ी क्षेत्र में औचक निरीक्षण अभियान चलाया। बच्चों की सुरक्षा और कफ सिरप की गुणवत्ता जांच के दौरान एक मेडिकल स्टोर को गंभीर अनियमितताओं के कारण तत्काल प्रभाव से बंद कराया गया, जबकि दो मेडिकल स्टोरों को दिशा-निर्देश दिए गए और दो स्टोर मौके पर बंद पाए गए। संयुक्त टीम ने एक क्लीनिक का भी निरीक्षण किया और वहां से पांच औषधीय नमूने जांच हेतु संकलित किए।

निरीक्षण में वरिष्ठ औषधि निरीक्षक मीनाक्षी बिष्ट, नीरज कुमार, औषधि निरीक्षक अर्चना, निधि शर्मा एवं शुभम कोटनाला शामिल रहे।

सेलाकुई स्थित औषधि विनिर्माण इकाइयों का निरीक्षण, सील की गईं प्रतिबंधित दवाएं

देहरादून जिले में औषधि निरीक्षक मानेंद्र सिंह राणा के नेतृत्व में टीम ने दून मेडिकल कॉलेज के आसपास स्थित मेडिकल स्टोरों और थोक विक्रेताओं की जांच की। टीम को बच्चों के लिए प्रयुक्त खांसी एवं सर्दी-जुकाम की प्रतिबंधित दवाएं अलग कर भंडारित मिलीं, जिनके विक्रय पर रोक लगाई गई थी। विभाग ने सभी दवाओं को मौके पर सील किया और निर्देश दिए कि इनका विक्रय अगले आदेशों तक न किया जाए। इसके अतिरिक्त सेलाकुई स्थित औषधि विनिर्माण इकाइयों का भी निरीक्षण किया गया, जहां से चार सैंपल गुणवत्ता जांच हेतु संकलित किए गए।

हरिद्वार में सरकारी दवाओं का अवैध भंडारण पकड़ा गया

जनपद हरिद्वार के रुड़की क्षेत्र में औषधि निरीक्षक हरीश सिंह और श्रीमती मेघा ने गुप्त सूचना के आधार पर एम/एस फलख नाज़ (ग्राम सलीयर) में छापेमारी की।

जांच के दौरान बिना लाइसेंस के सरकारी दवाओं का अवैध भंडारण और बिक्री करते हुए पाया गया।

टीम ने मौके से 12 प्रकार की एलोपैथिक दवाएं जब्त कीं, जिनमें राजस्थान और मध्यप्रदेश सरकार की सप्लाई की गई दवाएं भी शामिल थीं। सभी दवाओं को सील कर फार्म 17-17ए के अंतर्गत नमूने संकलित किए गए। आगे की कार्रवाई Drugs and Cosmetics Act, 1940 के तहत की जाएगी।

सरकार का सख्त संदेश — बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट किया है कि दो वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी स्थिति में प्रतिबंधित सिरप न दिए जाएं, इसके लिए सभी संबंधित विभागों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि विभाग की कार्रवाई सतत और प्रभावी रूप से जारी रहेगी, और बच्चों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि औषधि निरीक्षण अभियान निरंतर जारी रहेगा, तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी ने कहा कि – नागरिकों, विशेषकर बच्चों को केवल सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण औषधियां ही मिलें।

एक नजर

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुतला फूंका

पथ प्रवाह हरिद्वार। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला फूंका। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि प्रदेश में लगातार कानून व्यवस्था खराब हो रही है। कहा कि भाजपा नेताओं के नाम भी अपराधिक घटनाओं में सामने आ रहे हैं। वह चाहे नैनीताल की घटना हो या चंपावत की, इनमें भाजपा नेताओं के नाम सामने आए हैं। कहा कि प्रदेश की सरकार ऐसे लोगों को संरक्षण देने का काम कर रही है। महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों में बढ़ोतरी हो रही है। प्रदेश में महिलाएं अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रही हैं। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने कहा कि जब तक दोषियों को कड़ी सजा नहीं मिलेगी उनका यह आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन में पूर्व जिला अध्यक्ष मुकेश पंत, दीपक लुंठी, अभिषेक बोरा, अभिषेक, नवीन कापडी, राहुल लुंठी, कोमल शाही, नितीश सागर, छात्र संघ महासचिव अमित कुमार, भुपेश नगरकोटि आदि शामिल हुए।

भारत और मंगोलिया के बीच रक्षा, स्वास्थ्य, और आर्थिक सहयोग में व्यापक संभावनाएँ : बिरला

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि भारत और मंगोलिया के बीच रक्षा, स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी, और आर्थिक सहयोग में व्यापक संभावनाएँ हैं। बिरला ने मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना के साथ आये प्रतिनिधिमंडल का आज संसद भवन में स्वागत किया। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय वार्ता की। उन्होंने कहा कि भारत और मंगोलिया के बीच रक्षा, स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी, और आर्थिक सहयोग में व्यापक संभावनाएँ हैं। भारत और मंगोलिया के बीच द्विपक्षीय संबंध डेमोक्रेसी, धर्म और डेवलपमेंट (3डी) के सिद्धांतों के आधार पर मजबूत हो रहे हैं। भारत और मंगोलिया इतिहास से लेकर आध्यात्मिक विरासत तक कई सामान्य परंपराओं को साझा करते हैं। उन्होंने भारत और मंगोलिया के बीच निरंतर गहरी हो रही साझेदारी की सराहना करते हुए कहा कि इन सात दशकों में दोनों देशों के बीच कई नए क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा है। वर्ष 2023 में अपनी मंगोलिया यात्रा का स्मरण करते हुए, उन्होंने संसदीय लोकतंत्र के प्रति दोनों देशों की दृढ़ प्रतिबद्धता का उल्लेख किया। बिरला ने कहा कि भगवान बुद्ध की शिक्षाएँ कालातीत, शाश्वत और प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध का मंत्र, बहुजन हिताय बहुजन सुखाय ऐसा मार्गदर्शी सिद्धांत है जो आज भी भारत की लोक नीति को प्रेरित कर रहा है।

सैनिक दीपावली मेले का भव्य समापन, उत्तरकाशी टीम वॉलीबॉल चैम्पियन बनी, वंश बिष्ट ने जीती मारुति कार, विधायक सुरेश चौहान ने विजेताओं को सम्मानित किया

पथ प्रवाह, संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। विश्वनाथ पूर्व सैनिक कल्याण समिति उत्तरकाशी के तत्वावधान में आयोजित सैनिक दीपावली मेला मंगलवार की शुभ संध्या में देशभक्ति, खेल और संस्कृति के संगम के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। समापन कार्यक्रम में हजारों लोगों की उपस्थिति, अनुशासन और उत्साह ने पूरे शहर को उत्सवमय बना दिया। फाइनल दिवस का मुख्य आकर्षण वॉलीबॉल टूर्नामेंट का निर्णायक मुकाबला, महाविद्यालयीन विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और बहुप्रतीक्षित लकी ड्रा रहा।

वॉलीबॉल का रोमांचक फाइनल उत्तरकाशी की टीम और धनारी नागनी के बीच खेला गया। दमदार सर्व, सटीक स्मैश और उत्कृष्ट डिफेंस से सजे मुकाबले में उत्तरकाशी की टीम विजेता बनी, जबकि धनारी नागनी उपविजेता रही। पुरस्कार वितरण में विजेता टीम को 11000 रुपये, उपविजेता टीम को 8000 रुपये और तृतीय स्थान प्राप्त टीम को 5000 रुपये प्रदान किए गए। प्रतियोगिता के संचालन और टीमों की तैयारी में गंगोत्री फिजिकल एकेडमी के संस्थापक और समिति के सह सचिव चंद्रमोहन सिंह पंवार की भूमिका अहम रही, जिनके साथ सूबेदार मेजर सुरेंद्र सिंह ने भी पूरे आयोजन में बढ़-चढ़कर योगदान दिया।

समापन संध्या में राजकीय महाविद्यालय उत्तरकाशी के विद्यार्थियों ने ऊर्जावान सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्रतियोगी प्रस्तुतियों में एनएसएस प्रथम स्थान पर रही, नमामि गंगे को द्वितीय और कला संकाय को तृतीय स्थान मिला। विद्यार्थियों के देशभक्ति गीतों और मंचन पर दर्शकों ने देर तक तालियां बजाकर उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जीआरआरसी लैंसडाउन से सेवानिवृत्त तपन लाल शाह परिवार सहित उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों की संगठन क्षमता और सेवा-भावना युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है; ऐसे आयोजन मनोरंजन के साथ समाज को जोड़ते हैं और जिम्मेदारी का संस्कार देते हैं।

लकी ड्रा के विजेताओं की घोषणा के साथ मैदान में रोमांच चरम पर पहुंच गया। मारुति कार विजेता वंश बिष्ट (तिलोथ) बने, रॉयल एनफील्ड विजेता प्रत्यूष नौटियाल (मातली), 10 ग्राम गोल्ड विजेता कृषा उप्पल (कोटी) और टीवीएस स्कूटी विजेता सूरज रावत (विश्वनाथ चौक) रहे। गंगोत्री विधानसभा के विधायक सुरेश सिंह चौहान ने पुरस्कार वितरित करते हुए कहा कि जिनके नाम निकले उन्हें हार्दिक बधाई और जिनके नाम नहीं निकले, उनका योगदान भी उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह राशि समिति द्वारा किसी जरूरतमंद परिवार, आपदा पीड़ित या किसी गरीब बेटी के विवाह में उपयोग होगी। उन्होंने कहा कि यही इस मेले की असली सफलता है जनसहभागिता से जनसेवा।

दायित्वधारी मंत्री प्रताप सिंह पंवार ने समापन अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सैनिक दीपावली मेला केवल उत्सव नहीं, बल्कि सेवा, सम्मान और संस्कार का प्रतीक है। उन्होंने विशेष रूप से पूर्व सैनिक समुदाय, फौजी दीदा राम सिंह और सभी विश्वनाथ पूर्व सैनिक कल्याण समिति को बधाई दी, जिनके अथक प्रयासों से आयोजन सफल हुआ। समिति के संरक्षक मेजर आर.एस. जमनाल और अध्यक्ष सूबेदार मेजर वीरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि मेला हर वर्ष और सशक्त रूप में आयोजित किया जाएगा, ताकि वीर नारियों, पूर्व सैनिकों और युवाओं को एक बड़े, अर्थपूर्ण मंच पर जोड़ा जा सके।

समापन समारोह में मीडिया प्रभारी गोपेश्वर प्रसाद भट्ट, सह सचिव चंद्रमोहन सिंह पंवार, शंभू सिंह पंवार, राम सिंह राणा, धनपाल सिंह, सूरवीर सिंह, बलदेव सिंह, मुरारी सिंह पोखरियाल, कप्तान कलम सिंह, भरत सिंह, इंदर मणि सहित समिति के सभी पदाधिकारी, बड़ी संख्या में नगरवासी, विद्यार्थी और पत्रकार उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के साथ सैनिक दीपावली मेले का औपचारिक समापन हुआ, और समिति ने घोषणा की कि अगले वर्ष कार्यक्रम को और व्यापक स्वरूप में अधिक सामाजिक उपयोगिता के संकल्प के साथ आयोजित किया जाएगा।

न्याय पाने को भटक रहा है पूरन कुमार का परिवार : प्रियंका

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि आत्महत्या करने वाले हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के परिवार के सदस्य न्याय पाने के लिए दर दर भटक रहे हैं लेकिन उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

श्रीमती वाड्रा ने मंगलवार को यहां सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आईपीएस अधिकारी की आत्महत्या के लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाना चाहिए लेकिन परिवार के लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है। वे दर दर की ठोकरें खा रहे हैं मगर उनकी बात को नहीं सुना जा रहा है।

उन्होंने लिखा हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार ने हाल ही में जातिगत उत्पीड़न से तंग आकर आत्महत्या कर ली थी। उनका परिवार न्याय के लिए भटक रहा है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। यह पूरा प्रकरण इस बात का सबूत है कि भाजपा राज में ऊंचे पदों पर पहुंचकर भी दलित समाज के लोग सुरक्षित नहीं हैं और न ही उनके लिए न्याय है। ऐसी शर्मनाक घटनाएं देश और समाज के लिए कलंक हैं।÷

श्रीमती वाड्रा ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चंडीगढ़ में वाई पूरन कुमार के परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उनका दुख साझा करते हुए इस मामले में सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

स्वामी/प्रकाशक **वीरेन्द्र सिंह** ने मुद्रक **प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालय: 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन–249408 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया। **वीरेन्द्र सिंह** (सम्पादक) 9411111733, **सुरेन्द्र पाल सिंह** (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई– www.pathpravah.com